RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शनिवार , 14 मार्च 2026 | वर्ष: 03 , अंक: 362 पृष्ठ: 08 , मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

डबल इंजन सरकार से असम में तेजी से हो रहा विकास: मोदी

भाजपा-राजग सरकार ने बोडोलैंड क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं: पीएम मोदी

गुवाहाटी/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को असम के कोकराझार में आयोजित रैली को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कांग्रेस पर बोडोलैंड के साथ वर्षों तक विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दशकों तक बोडोलैंड क्षेत्र कांग्रेस के झूठे वादों और कागजी समझौतों का साक्षी रहा, जबकि भाजपा-राजग सरकार ने क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि खराब मौसम के कारण वे कोकराझार नहीं पहुंच सके और गुवाहाटी से ही लोगों को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से क्षमा मांगते हुए कहा कि वे दिल्ली से कोकराझार आने के लिए निकले थे, लेकिन मौसम की वजह से गुवाहाटी में ही उतरना पड़ा। मोदी ने कहा कि जब जनता ने केंद्र और असम दोनों जगहों से कांग्रेस को हटाकर भाजपा-राजग को मौका दिया, तब सरकार ने बोडोलैंड में स्थायी शांति के लिए ठोस प्रयास शुरू किए। इसी सोच के साथ वर्ष 2020 में बोडो शांति समझौता पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें पहली बार सभी प्रमुख संगठनों और समूहों को एक मंच पर लाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोकराझार और आसपास के क्षेत्रों ने बीते दशकों में हिंसा और अशांति का कठिन दौर देखा है, जब यहां की पहाड़ियों में बम और गोलियों की आवाज गूंजती थी लेकिन आज स्थिति बदल रही है और क्षेत्र में शांति तथा विकास का नया दौर शुरू हो चुका है।

उन्होंने कहा कि भाजपा-राजग की डबल इंजन सरकार असम की विरासत के संरक्षण और तेज विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को कोकराझार में 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया।

आज बोडोलैंड शांति और विकास की राह पर चल पड़ा है: मोदी

पीएम ने कहा कि असम की जनता से सीधे जुड़ाव न होने को लेकर खेद प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैं दिल्ली से निकला था आपके पास आने के लिए, लेकिन मुझे गुवाहाटी में ही उतरना पड़ा और अब मैं यहां से आपके दर्शन भी कर रहा हूं और आपसे बात भी कर रहा हूं। जहां भी मेरी नजर पहुंच रही है, मुझे लोग ही लोग नजर आ रहे हैं और इतनी बड़ी संख्या में माताएं-बहनें भी आशीर्वाद देने आई हैं। आपका ये प्यार मुझ पर कर्ज की तरह है और मेरा हमेशा प्रयास रहा है कि इस कर्ज को मैं आपकी सेवा करके और इस क्षेत्र का विकास करके चुकाऊं।' पूर्वोत्तर में हो रहे बदलावों को रेखांकित करते हुए 'कोकराझार सहित इस पूरे क्षेत्र ने बीते दशकों में बहुत कुछ सहा था, बहुत कुछ खोया था। हमने वो मुश्किल समय देखा है। जब इन पहाड़ियों में बम-बंदूक की ही गूंज सुनाई देती थी। लेकिन आज ये तस्वीर बदल रही है। आज बोडोलैंड शांति और विकास की राह पर चल पड़ा है।

असम शांति और विकास का नया अध्याय लिख रहा: मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि बोडो समाज के महान व्यक्तित्वों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्हें कुछ सप्ताह पहले गुवाहाटी में समृद्ध बोडो संस्कृति को देखने का अवसर मिला था। उन्होंने बोडो समुदाय द्वारा अपनी भाषा और संस्कृति को संरक्षित रखने की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस झूठे वादों की दुकान है और उसके पास वादों को पूरा करने का इरादा नहीं होता, जबकि भाजपा-राजग सरकार ने जो भी कहा है उसे पूरा करने का ईमानदार प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि आज असम शांति और विकास का नया अध्याय लिख रहा है। वर्ष 2020 के समझौते के तहत किए गए वादों को लगातार पूरा किया जा रहा है। बोडो भाषा को सहायक राजभाषा का दर्जा दिया गया है और बोडोलैंड क्षेत्र के लिए 1,500 करोड़ रुपये का विकास पैकेज भी प्रदान किया।

कांग्रेस कार्यकाल में वैश्विक संकट किसानों पर होता था: मोदी

पीएम मोदी ने असम में कांग्रेस के कार्यकाल में हुए घोटालों को लेकर भी जमकर जुबानी हमले किए। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार किसानों के कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बीते एक दशक में भाजपा-एनडीए की सरकार ने आत्मनिर्भरता को लेकर भी अहम फैसले लिए हैं। दुनिया के दूसरे हिस्सों में होने वाली लड़ाई का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, पहले किसानों पर सीधा असर पड़ता था। कभी खाद महंगी होती थी, कभी डीजल और ऊर्जा पर खर्च बढ़ जाता था।

ऐसा इसलिए क्योंकि दशकों तक कांग्रेस पार्टी ने भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रखा था। आज सरकार कोशिश इस बात की कर रही है कि डीजल पर खर्च को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने सौर ऊर्जा का जिक्र करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार अन्नदाता को ऊर्जा-दाता बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है।

पंडित नेहरू का जिक्र कर पीएम मोदी का तीखा कटाक्ष

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की नीतियों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कई खाद के कारखानों पर ताले लग गए थे, जिसे एनडीए के कार्यकाल में दोबारा शुरू कराया गया। पीएम मोदी ने कहा, एक तरफ भाजपा-एनडीए सरकार किसानों को लेकर काम कर रही है, देश को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे हैं। तो दूसरी तरफ आज कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो किसी भी स्थिति में देश के प्रति ईमानदार नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध से बने संकटों के बीच भी कांग्रेस अफवाहें फैलाने और दुष्प्रचार करने में जुटी है। उन्होंने विपक्षी दल को नसीहत भी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त के दिन लाल किले से पंडित नेहरू जी ने जो भाषण दिए हैं, उसे एक बार फिर सुनना चाहिए। उन्होंने भारत में महंगाई बढ़ने के पीछे को लेकर उत्तर और दक्षिण कोरिया की लड़ाई को कारण बताने को लेकर भी कटाक्ष किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने को लेकर दोनों सदनों में दिया गया प्रस्ताव

नई दिल्ली/एजेंसी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए तृणमूल कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष ने शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा में प्रस्ताव दिया गया है। यह प्रस्ताव 10 पन्नों का है जिसमें 7 कारण गिनाए गए हैं, जिनके आधार पर ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव किया गया है। लोकसभा में दिए गए नोटिस में सदन के 130 सदस्यों और राज्यसभा में दिए गए नोटिस में 63 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। नियमों के कारण लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने शुक्रवार को मकर द्वार पर मीडिया से बातचीत में बताया कि उनकी पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए संसद में कानून के अनुसार नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतदाता सूची से नाम हटाकर जनता को मताधिकार से वंचित किया है,। जिसके लिए विपक्षी गठबंधन के साथ मिल कर यह कार्यवाही की जा रही है।

सरकार की ओर से संचालित शिक्षा योजनाओं का लाभ हर बच्चे तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी- धर्मराज मौर्य

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। कड़ा विकास खण्ड के देवीगंज स्थित एक गेस्ट हाउस में शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय ग्राम प्रधान, स्थानीय प्राधिकारी व प्रधानाध्यापकों की संगोष्ठी व उन्मुखीकरण बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष शिव प्रताप मौर्य व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. कमलेश कुशवाहा मौजूद रहे।कार्यक्रम का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी कड़ा नीरज उमराव की ओर से किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इसके बाद शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं, स्कूलों में नामांकन बढ़ाने, निपुण भारत मिशन, ऑपरेशन कायाकल्प तथा विद्यालयों के समग्र विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कहा कि सरकार की ओर से संचालित शिक्षा योजनाओं का लाभ हर बच्चे तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्राम प्रधानों, शिक्षकों और स्थानीय प्राधिकारियों से विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन, नियमित उपस्थिति तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. कमलेश कुशवाहा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ विद्यार्थियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के लिए डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) प्रणाली प्रभावी माध्यम बन चुकी है। इसके जरिए छात्र-छात्राओं को मिलने वाली विभिन्न सुविधाएं सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही हैं जिससे योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शिता के साथ मिल रहा है।

खंड शिक्षा अधिकारी नीरज उमराव ने संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और सभी से विद्यालयों के विकास तथा शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की।कार्यक्रम का संचालन श्रेया द्विवेदी ने किया।इस मौके पर प्रधान संघ अध्यक्ष कड़ा अनिल शर्मा, प्रभाकर मिश्रा, जैनेंद्र कुमार, रामकृष्ण, एआरपी सवीना बानो, विनोद कुमार शुक्ला, डीके श्रीवास्तव, अरुण मिश्रा, जुबैर अहमद, अहमद रजा, अरविंद गौड़, रामभवन शर्मा, अफरोज आलम, दीपक माले, संदीप त्रिपाठी, कमला सोनकर, अभिलाषा गुप्ता , रंजीत सिंह, महेश प्रसाद, कमलेश निषाद, अखिलेश यादव, करन यादव , शोएब खान, राहुल कुशवाहा, विपिन सोनकर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, ग्राम प्रधान व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह द्वारा परेड की सलामी लेकर टोलीवार परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों एवं प्रशिक्षु आरक्षियों के टर्नआउट का निरीक्षण किया गया तथा चल रहे प्रशिक्षण के बारे में जानकारी की गई। परेड के उपरांत एसपी द्वारा पुलिस लाइन स्थित आरटीसी बैरकों, प्रशिक्षण कक्ष, कैंटीन, वर्दी स्टोर, आवासीय कॉलोनी, परिवहन शाखा, वढ-112 शाखा, भोजनालय और गार्द रजिस्टरों को चेक कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। क्षेत्राधिकारी लाइन व प्रतिसार निरीक्षक मौके पर उपस्थित रहे।

एसपी व एएसपी ने जुमे की नवाज को लेकर कोतवाली क्षेत्र में किया भ्रमण

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर महेंद्र पाल सिंह द्वारा थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत जुमे की नवाज के दृष्टिगत जनपद में शान्ति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु मय पुलिस बल के पैदल मार्च कर जनमानस में सुरक्षा का भरोसा दिलाया ।

महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों के बारे में किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । जनपद के सभी थानों में मिशन शक्ति फेज 5.0, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान तथा नये आपराधिक कानूनों के संबंध में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्पेशल टीमों द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर महिलाओं-बालिकाओं को नारी सम्मान, नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन एवं विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी विस्तार से दी गई।
थाना कड़ाधाम कुबरी घाट व शीतला माता मंदिर क्षेत्र में महिलाओं व बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव एवं महिला सुरक्षा के लिए संचालित हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । दो मार्च को थाना महेवाघाट पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त मो0 समीर पुत्र सलीम द्वारा उनके साथ लगभग पिछले डेढ़ वर्ष से शादी का झासा देकर कई बार शारीरिक सम्बन्ध बनाता रहा है, शादी के लिये कहने पर शादी से इनकार किया गया तथा शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गयी ।प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना महेवाघाट में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया ।उपरोक्त क्रम में शुक्रवार को थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मो0 समीर पुत्र सलीम निवासी ग्राम सरसवां थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है ।

एसपी ने कार्यालय में की जनसुनवाई, फरियादियों की समस्याओं को सुनाकर निस्तारण का दिया निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा आम जनमानस की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना गया।
मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को मौके पर जाकर त्वरित और निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी न होकर गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय और राहत मिल सके। सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जाए।

डीजे डीएम एसएसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । जिला जज संजय सिंह, जिलाधिकारी श्रीमती श्रुति, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण करते हुए जेल में बंद बंदियों के लिए जेल प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओ का जायजा लिया। बैरक में जाकर बंदियों से वार्ता करते हुए आवश्यक जानकारी ली गई। रसोई का निरीक्षण करते हुए शाम के लिए तैयार किए गए भोजन की गुणवत्ता को भी परखा गया।
इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुलंदशहर के सचिव विकास चौधरी, जेल अधीक्षक श्रीमती कोमल मंगलानी, जेलर सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम और एसपी ने किया जांच, निर्देश भी दिए

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह द्वारा 14 व 15 मार्च को उत्तर प्रदेश भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 परीक्षा को निर्विघ्न सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान परीक्षा केन्द्रों पर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने, परीक्षार्थियों की सुविधा, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया गया।

डीएम ने की कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा के दौरान वाणिज्यकर में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए उपायुक्त वाणिज्यकर को प्रगति लाने एवं और प्रवर्तन कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने खनन विभाग की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति न पाए जाने एवं सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में सुधार न लाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए जिला खनन अधिकारी का वेतन रोकने एवं उनके विरूद्ध कार्यवाही के लिए शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मण्डी की समीक्षा के दौरान प्रवर्तन कार्य में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर सचिव, मण्डी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने एवं वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने आबकारी, नगर निकाय, सिंचाई, विद्युत, स्टॉम्प व रजिस्ट्रेशन, वन विभाग एवं परिवहन में लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा के दौरान सम्बन्धित अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने एवं और अधिक प्रवर्तन कार्य करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने तहसीलवार बड़े बकायेदारों से आर.सी. वसूली की प्रगति की समीक्षा के दौरान आर.सी. वसूली में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी तहसीलदार/नायब तहसीलदार को प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी उप जिलाधिकारियों/तहसीलदारों को राजस्व वादों के निस्तारण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण/कब्जों को हटवाया जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि कहीं पर भी सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण/कब्जा न होने पाए। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को अंश निर्धारण के कार्य में प्रगति लाने एवं जनशिकायतों को गम्भीरता से लेकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पास्को एक्ट में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर पास्को एक्ट में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।
शुक्रवार को थाना जाफरगंज पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त विपिन उर्फ राहुल सिंह पुत्र स्व0 रामचन्द्र सिंह निवासी ग्राम बसन्तखेडा थाना जाफरगंज जनपद फतेहपुर उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

ओवरलोड ट्रक का फिर तांडव, रेलवे का ओवरगेज उखाड़ ले गया

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर! स्योहारा मिल की खोई ढोने वाले ओवरलोड ट्रकों का आतंक एक बार फिर देखने को मिला। यहां मिल के पास रेलवे फाटक पर लगाया गया ओवरगेज एक ओवरलोड ट्रक उखाड़कर ले गया, जिससे कुछ समय के लिए रेलवे लाइन बाधित हो गई और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।
बताया जा रहा है कि रेलवे द्वारा यह ओवरगेज खास तौर पर ओवरलोड और ऊंचे वाहनों को रोकने के लिए लगाया गया था, ताकि रेलवे लाइन और फाटक सुरक्षित रहें। लेकिन लापरवाही और ओवरलोडिंग के चलते ट्रक चालक ने इसे ही टक्कर मारकर उखाड़ दिया।
घटना के बाद कुछ देर तक रेलवे लाइन पर आवागमन प्रभावित रहा। गनीमत रही कि उस समय कोई ट्रेन वहां से नहीं गुजरी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।
स्थानीय लोगों का कहना है कि मिल की खोई ढोने वाले ओवरलोड ट्रक लगातार नियमों को ताक पर रखकर दौड़ रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से ऐसे वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।
अब सवाल यह है कि आखिर ओवरलोड ट्रकों पर लगाम कब लगेगी?

अलविदा जुम्मा की नमाज सकुशल सम्पन्न, एएसपी ने भ्रमण कर लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । रमजान माह के अंतिम शुक्रवार अलविदा जुम्मा की नमाज के अवसर पर जनपद कौशाम्बी में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक प्रबंध किए गए। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा जनपद के विभिन्न संवेदनशील स्थानों, मस्जिदों एवं नमाज स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।
अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा भ्रमणशील रहकर संबंधित थाना प्रभारियों एवं पुलिस बल को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए तथा नमाज के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया। उन्होंने नमाज स्थलों के आसपास यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन तथा शांति व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण करते हुए पुलिस कर्मियों को मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए।
पुलिस प्रशासन द्वारा स्थानीय लोगों, धर्मगुरुओं एवं आयोजकों से संवाद स्थापित कर आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ नमाज अदा कराने में सहयोग प्राप्त किया गया। जनपदवासियों ने भी प्रशासन का सहयोग करते हुए शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में नमाज अदा की।
जनपद कौशाम्बी में अलविदा जुम्मा की नमाज शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न हुई।
पुलिस प्रशासन द्वारा पूरे जनपद में सतर्क दृष्टि बनाए रखते हुए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

12वीं की 6 छात्राएं बोर्ड परीक्षा देकर लापता: शाम तक घर नहीं पहुंची तो परिवार ने तलाश की, पुलिस में शिकायत

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर ! चांदपुर नगर में इंटरमीडिएट की परीक्षा देने गईं छह छात्राएं लापता हो गई हैं। परीक्षा के बाद गुरुवार देर शाम तक घर न पहुंचने पर चिंतित परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी न मिलने पर स्थानीय थाने में सूचना दी गई।
यह घटना गुरुवार को इंटरमीडिएट की संस्कृत विषय की परीक्षा के बाद हुई। चांदपुर के एक प्रतिष्ठित इंटर कॉलेज में बड़ी संख्या में छात्राएं परीक्षा देने पहुंची थीं। लापता हुई छात्राओं में हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के एक गांव की दो छात्राएं और चांदपुर सहित पास के गांवों की चार अन्य छात्राएं शामिल हैं।
परीक्षा समाप्त होने के बाद जब छात्राएं देर शाम तक अपने घरों को नहीं लौटीं, तो उनके परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने तुरंत उनकी तलाश शुरू की। हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र की दो छात्राओं के परिजनों ने उनकी सहपाठियों और अन्य चार छात्राओं के घरों पर जाकर पता किया, तो वे भी अपने घर नहीं पहुंची थीं। एक साथ छह छात्राओं के गायब होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। रात करीब 10 बजे, सभी छात्राओं के परिजन चांदपुर थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्राओं की तलाश शुरू कर दी है।
थाना प्रभारी निरीक्षक चांदपुर अमित कुमार ने एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि बरामदगी के लिए टीमें लगाई गई है।

व्यक्तित्व विकास,कम्युनिकेशन स्किल्स के महत्व की दी जानकारी

साइबर फ्रॉड से बचाव के उपायों की दी जानकारी

आर्य कन्या डिग्री कालेज में एनएसएस विशेष शिविर का चतुर्थ दिवस संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के विशेष शिविर का चौथे दिन आज उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल योग, प्राणायाम, प्रार्थना तथा व्यायाम से हुई, जिससे स्वयं सेविकाओं में शारीरिक एवं मानसिक ऊर्जा का संचार हुआ।
प्रथम सत्र में हार्टफुलनेस एजुकेशन ट्रस्ट की समन्वयक श्रीमती ज्योति मिश्रा ने तनाव, इमोशनल बैगेज और पियर प्रेशर से सकारात्मक तरीके से निपटने के उपाय बताए। उन्होंने हार्टफुलनेस रिलैक्सेशन तकनीक के माध्यम से लगभग पंद्रह मिनट का श्वास संबंधी अभ्यास कराया, जिससे स्वयंसेविकाओं ने स्वयं को ताजगी और ऊर्जा से भरपूर महसूस किया।
द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता प्रभाकर तिवारी थे। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को व्यक्तित्व विकास एवं कम्युनिकेशन स्किल्स के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने नाम और पहचान से विशिष्ट होता है तथा भाषा की शक्ति को समझते हुए प्रभावी संवाद कौशल विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।
तृतीय सत्र में नगर निगम प्रयागराज की ओर से स्वच्छता विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जिसका निर्देशन कृष्ण कुमार मौर्य ने किया। कलाकारों में पिंटू, प्रीति और हेमा थे। पहला नाटक गीले और सूखे कचरे के सही प्रबंधन पर आधारित था, जबकि दूसरा नाटक महिलाओं की माहवारी से जुड़ी सामाजिक धारणाओं पर केंद्रित था। यह प्रस्तुति अत्यंत भावनात्मक रही, जिससे कई स्वयंसेविकाएं भावुक हो उठीं। संवाद सत्र में छात्राओं ने समाज के व्यवहार पर अपने विचार व्यक्त किए।
चतुर्थ सत्र परमार्थ निकेतन, त्रिवेणी पुष्प के संतोष गुप्ता ने संचालित किया। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया तथा उन्हें एक किट वितरित की, जिसमें तेल, क्रीम और साबुन जैसी उपयोगी वस्तुएं शामिल थीं।
पंचम सत्र साइबर क्राइम और मिशन शक्ति पर आधारित रहा। शीतला प्रसाद के नेतृत्व में एसआई अभिषेक वर्मा ने साइबर फ्रॉड के प्रमुख कारणों और उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन नंबर- 1930 के बारे में बताते हुए गृह मंत्रालय द्वारा संचालित एनसीआरपी और आईसी-4 की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध केवल वित्तीय धोखाधड़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें हैकिंग, चाइल्ड पोर्नोग्राफी और अन्य ऑनलाइन अपराध भी शामिल हैं। इससे बचाव के लिए ईमेल सेटिंग्स को समझना, घबराहट से बचना, पुलिस से संपर्क करना तथा पासवर्ड और पिन कोड का नियमित रूप से अपडेट करना आवश्यक है। विकास चौधरी ने मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत महिलाओं की निर्णय लेने की क्षमता और सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला तथा हेल्पलाइन नंबर-1076, 1090 और 112 के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय के निकटस्थ थाने का आधिकारिक नंबर भी स्वयंसेविकाओं को उपलब्ध कराया गया। शिविर का संचालन अध्यक्ष शासी निकाय पंकज जायसवाल एवं प्राचार्या प्रो. अर्चना पाठक के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम के सफल समन्वयन में प्रभारी डॉ रंजना त्रिपाठी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भारती, डॉ. दामिनी, डॉ. शिवानी एवं डॉ. सुधा का विशेष योगदान रहा।

डीएम ने चकबंदी विभाग के अधिकारियों के साथ की विभागीय समीक्षा बैठक

पीठासीन अधिकारी 5 वर्ष से पुराने मुकदमें को गुण-दोष पर सुनकर उनका शीघ्र निस्तारण करें

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी/जिला उपसंचालक चकबंदी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को एनआईसी सभागार में चकबंदी विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।बैठक में अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष के आरम्भ में कुल 53 ग्राम चकबंदी प्रक्रियाधीन थे, जिसमें 5 ग्रामों में धारा -52 का प्रस्ताव संदर्भित किया गया है। बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी द्वारा बताया गया कि 31 मार्च तक 4 अन्य ग्रामों का भी धारा 52 प्रस्ताव प्रेषित कर दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि 30 साल से पुराने लम्बित ग्रामों की चकबन्दी प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाये, तथा जिन ग्रामों में जनविरोध की स्थिति से कार्य आगे नहीं बढ़ रहा है, वहां बैठक कर धारा-6 का प्रस्ताव भेजा जाये। फसल खाली होने के पश्चात ससमय कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही की जाये। चकबन्दी अधिकारी हंडिया क्षेत्र में ग्राम रसूलपुर मवैया, बढ़ौली एवं जमशेदपुर उर्फ लालापुर की चकबन्दी सन-1996 से लम्बित होने पर असंतोष प्रकट करते हुए जिलाधिकारी ने चकबंदी प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी चकबन्दी कार्यालयों में पीठासीन अधिकारियों को प्रत्येक दिन न्यायिक कार्य करने तथा 5 वर्ष से पुराने मुकदमे को गुण-दोष पर सुनकर शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया है। उन्होंने 5 वर्ष अथवा उससे अधिक समय से लंबित सभी प्रकरणों को प्राथमिकता पर नियमित सुनवाई कर निस्तारित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने आईजीआरएस के मामलों को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किये जाने के लिए निर्देशित किया है। लक्ष्य प्राप्ति न करने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी है। इस अवसर पर उपसंचालक चकबंदी विजय शर्मा, एस0ओ0सी संजीव कुमार तथा चकबंदी अधिकारी एवं सहायक चकबंदी अधिकारी उपस्थित रहे।

सहसों मार्ग पर अधेड़ से 50 हजार की छिनैती

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सहसो अंदावा मार्ग पर शुक्रवार शाम बाइक सवार बदमाशों ने एक अधेड़ से 50 हजार रुपये छीन लिए। घटना के दौरान पीड़ित बाइक से गिर गया, जिससे उसे चोट भी आई। इस वारदात से स्थानीय व्यापारियों और लोगों में दहशत का माहौल है। रहीमपुर निवासी रामखेलावन कुशवाहा शुक्रवार को बाइक से फूलपुर के सौरा जलालपुर अपने एक रिश्तेदार के घर गए थे। वहां से लौटते समय उन्होंने रहीमपुर के एक पेट्रोल पंप पर बाइक में पेट्रोल भरवाया। इस दौरान उन्होंने अपने पास रखे 50 हजार में से पेट्रोल का पैसा देने के लिए जेब से पैसे निकाले थे। कुछ ही दूर आगे बढ़ने पर पीछे से पल्सर बाइक सवार दो युवक आए और रामखेलावन के बराबर बाइक लगाकर सीधे उनकी जेब में हाथ डालकर पैसे खींचने लगे।इस दौरान रामखेलावन की बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर गिर पड़े। जब तक वह कुछ समझ पाते, बदमाश उनकी जेब से पैसे निकालकर फरार हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि 21 मार्च को रामखेलावन के बेटे की शादी है खरीदारी लिए वह पैसा लिए थे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि: 5 लाख 80 हजार कृषकों को 116 करोड़ रुपए हस्तांतरित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुक्रवार को असम राज्य से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त डीबीटी के माध्यम से कृषकों के खाते में हस्तांतरित की गई। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट के संगम सभागार में किया गया।जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उनके द्वारा कृषकों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जनपद के साथ प्रयागराज के प्रत्येक ब्लॉक और गांव स्तर पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद में लगभग 5 लाख 80 हजार कृषकों को लगभग 116 करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए गए।

वाराणसी में मैरिज हाल और स्कूल एक साथ चलाने वाली जनहित याचिका खारिज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की डी बी बेन्च ने बनारस जिले की मैरिज हाल एवं स्कूल एक साथ चलने के आरोप वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। मामला बनारस जिले का है। बनारस जिले के दो व्यक्तियों ने अपने आपको सोशल वर्कर बताते हुए जिले मे चल रहे मैरेज हाल के मालिक को पार्टी बनाकर जनहित याचिका उच्च न्यायालय मे फाइल किया था। जिस याचिका की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की डी बी बेन्च किया और सभी प्रतिवादी पार्टी समेत मैरेज हाल के मालिक को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा था। इस आदेश के अनुपालन मे मैरेज हाल के मालिक के अधिवक्ता लक्ष्मण प्रसाद ओझा अचिन ने चीफ जस्टिस के डी बी बेन्च के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए जवाब दाखिल किया और न्यायालय के समक्ष बहस करते हुए बताया कि याची और प्रतिवादी के बीच निजी विवाद है और प्रतिवादी ने याची के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया है। मुकदमे और प्राइवेट डिस्प्यूट के तथ्य को छिपाते हुए जनहित याचिका दाखिल की गई है तो ऐसे मे दोनो पक्ष एक दूसरे को भली भांति जानते हैं। जनहित याचिका सिर्फ प्रतिशोध मे फाइल की गई है जबकि न्यायालय का स्वयं का पूर्व मे इस तरह के केस को खारिज कर चुके है तो फिर ऐसी दशा मे यह जनहित याचिका सुनवाई योग्य पोषणीय कैसे हो सकती है। न्यायालय ने अधिवक्ता एलपी ओझा अचिन एवं सभी पक्ष विपक्ष एवं के अधिवक्ताओ के बहस को सुनने के बाद जनहित याचिका खारिज कर दिया।

छाप तिलक और दमादम मस्त कलंदर पर झूमे श्रोता

विरासत कला उत्सव के समापन में सुर, साज और अल्फाज का अनूठा संगम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सूफियाना सुरों की मिठास और भक्ति की गूंज एक साथ मंच से उठी तो पूरा प्रेक्षागृह मानो रूहानी एहसास से भर उठा। सुर, साज और अल्फाज के इसी जादुई संगम के साथ उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित सात दिवसीय ह्यविरासत कला उत्सवह्ण का रंगारंग समापन हुआ। प्रसिद्ध कव्वाल चंचल भारती ने सूफियाना अंदाज और दमदार गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बनारस घराने से ताल्लुक रखने वाली चंचल भारती ने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से की। इसके बाद उन्होंने सीता-सीता राम कहिए की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर पूरे प्रेक्षागृह को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया।

उन्होंने अमीर खुसरो के प्रसिद्ध नगमे छाप तिलक सब छीनी रे मौसे नैना मिलाइके और बहुत कठिन है डगर पनघट की पेश कर श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। इसके साथ ही क्या मेरी खताएँ हैं इतना तो बता दीजिएह्ण, इस तरह रूठ कर जाने वालेह्ण, दमा-दम मस्त कलंदर तथा आज रंग है रीह्ण जैसी लोकप्रिय कव्वालियों की प्रस्तुति ने माहौल को पूरी तरह सूफियाना रंग में रंग दिया। हर प्रस्तुति पर दर्शक देर तक तालियों और वाह-वाह की दाद से कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संगीता राय (गायिका) के साथ उपनिदेशक डॉ. आदित्य श्रीवास्तव, उपनिदेशक (कार्यक्रम) डॉ. मुकेश उपाध्याय तथा कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रतिभाओं का सम्मान

इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। निबंध प्रतियोगिता में कृष्णा मिश्रा प्रथम, गीतांजलि शर्मा द्वितीय और वैष्णवी तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि अंकिता पाण्डेय और मीनाक्षी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में खुशी सेठ प्रथम, शुभम सिंह द्वितीय तथा रागिनी तिवारी तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि अलीसा अंसारी और सुहाना को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर महेश्वर दयाल सहायक आचार्य प्रयाग संगीत समिति, वरिष्ठ रंगकर्मी अभिलाष नारायण, कार्यक्रम प्रभारी कृष्ण मोहन द्विवेदी, मधुकांक मिश्रा सहित केंद्र के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आकांक्षा पाल ने किया।

पुलिस उपायुक्त नगर ने पुलिस बल के साथ भ्रमण कर जायजा लिया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। रमजान माह की अलविदा नमाज के दृष्टिगत शुक्रवार को पुलिस उपायुक्त नगर मनीष शांडिल्य द्वारा पुलिस बल व आरएएफ के साथ नगर जोन के मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, चौराहों व भीड़भाड़ वाले अन्य स्थानों पर भ्रमण कर शान्ति, कानून व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर आरएएफ कमांडेंट, डिप्टी कमांडेंट व सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली व पुलिस तथा आरएएफ के अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी, विद्यालय समाज के समन्वय की सशक्त आधारशिला : डा वीके सिंह

बेहतर शिक्षण पर है जोर : बीएसए अनिल कुमार

सभी ब्लॉकों से आए उत्कृष्ट नोडल शिक्षकों, शिक्षक संकुल, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर, ईसीसीई एजुकेटर्स किए गये सम्मानित

हमारा आंगन-हमारे बच्चे उत्सव का भव्य आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जिला पंचायत भवन के सभागार में आज जनपद स्तरीय 'हमारा आंगन-हमारे बच्चे' उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डा बीके सिंह एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डा बीके सिंह ने नई शिक्षा नीति के तहत आंगनबाड़ी और विद्यालयों के समन्वय को सशक्त समाज की आधारशिला बताया। बीएसए अनिल कुमार ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में बेहतर शिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नये शैक्षिक सत्र के पूर्व स्कूल चलों अभियान और नयी किताबों का वितरण विद्यालयों में कर दिया जायेगा जिससे कि बच्चों के शिक्षण में परेशानी ना होने पाये।

समारोह के दौरान जनपद के सभी 24 ब्लॉकों से आए उत्कृष्ट नोडल शिक्षकों, शिक्षक संकुलों, आंगनबाड़ी सुपरवाइजरों और ईसीसीई एजुकेटर्स को मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ अधिकारियों को मोमेंटो एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। नोडल एसआरजी डॉ. सुनील तिवारी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला, जबकि जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) अभिनव सिंह के निर्देशन में विभागीय टीम ने संपूर्ण व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ खंड शिक्षा अधिकारी शिव अवतार सिंह, जिला समन्वयक राजीव त्रिपाठी, मनीष कुमार, हिमांशु सिंह, आशीष पाल , विकास सिंह खंड शिक्षा अधिकारी, वीरेन्द्र कनौजिया, लालजी शर्मा, श्रीमती प्रतिभा सिंह , और बाल विकास एवं पुष्टाहार के सीडीपीओ मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन बीईओ वीरेंद्र कनौजिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पत्रकार- रत्न से किया गया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार एवं संस्कार भारती प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह में वरिष्ठ पत्रकार दुर्गा प्रसाद मिश्र, अजय मिश्रा, पारुल सिंह, मुनेश्वर जायसवाल को पत्रकार रत्न उपाधि से सम्मानित किया गया। राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के सदस्य एवं संस्कार भारती प्रयागराज के कला संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा ने चित्रकला स्टूडियो करेलाबाग में शुक्रवार को हुए सम्मान समारोह में कला संस्कृति विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले पत्रकारों को पत्रकार रत्न से सम्मानित किया गया।

डीएम ने एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों के साथ की बैठक

जनपद में घरेलू सिलेण्डरों के मांग के सापेक्ष आपूर्ति में कोई समस्या या रूकावट नहीं, पर्याप्त भंडार मौजूद, अफवाहों पर न दें ध्यान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। ईरान-इजराईल एवं मध्य पूर्व के संघर्ष के फलस्वरूप इंधन की कमी होने सम्बन्धी अफवाहें सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्रचारित हो रही है, के दृष्टिगत एल०पी०जी० गैस की सुचारू आपूर्ति के सम्बन्ध में शुक्रवार को जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में उपायुक्त पुलिस मुख्यालय, अपर जिलाधिकारी (ना०आ०). जिला पूर्ति अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी जनपद प्रयागराज, आई०ओ०सी०एल०, बी०पी०सी०एल एवं एच०पी०सी०एल० के डिवीजनल, डीपो के उच्चधिकारी, जनपद के सेल्स आफिसर्स एल०पी०जी०, समस्त क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, समस्त पूर्ति निरीक्षक एवं जनपद में संचालित गैस एजेन्सी के प्रोपराईटर्स एवं प्रबन्धक सम्मिलित रहें। जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में सर्वर की समस्या, ई-के०वाई०सी० होने के बाद ही बुकिंग, सोशल मिडिया पर भ्रामक अपवाह एवं वर्तमान परिदृश्य के कारण उपभोक्ताओं में सिलेण्डर की अतिरिक्त माँग के कारण गैस एजेन्सियों पर भीड बढ़ रही है, जबकि जनपद के 144 गैस एजेन्सियों के माध्यम से सुचारू रूप से जनपद प्रयागराज के समस्त एल०पी०जी० उपभोक्ताओं को एल०पी०जी० घरेलू गैस सिलेण्डरों की आपूर्ति सुनिश्चित करायी जा रही है। ऑयल कम्पनियों के सेल्स आफिसर्स ने बताया कि एल०पी०जी० गैस के भण्डारण एवं आमजन को उपभोक्ताओं कनेक्शनों के सापेक्ष एल०पी०जी० आपूर्ति हेतु पर्याप्त भण्डारण है। जनपद में घरेलू सिलेण्डरों के मांग के सापेक्ष आपूर्ति में कोई समस्या या रूकावट नहीं है। आनलाइन बुकिंग हेतु आई०ओ०सी०एल०, बी०पी०सी०एल एवं एच०पी०सी०एल० का सर्वर कियाशील हो गया है एवं उक्त के अतिरिक्त मैनुअल बुकिंग की सुविधा भी प्रारम्भ हो गयी है। वर्तमान में शहरी क्षेत्र में समस्त एल०पी०जी० उपभोक्ताओं को एल०पी०जी० रिफिल प्राप्त किये जाने के उपरान्त 25 दिनों के पश्चात एवं ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिनों के पश्चात ही अग्रिम एल०पी०जी० रिफिल की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।

एल०पी०जी० उपभोक्ता संबंधित अधिकृत एल०पी०जी डिस्ट्रीब्यूटर से मोबाईल के द्वारा अथवा "स्मार्ट बुकिंग मोड ऐप" के माध्यम से गैस रिफिल बुक कराकर डी०ए०सी० (ऑथेंटिकेशन कोड) डिलेवरीमैन को बताकर नियमानुसार गैस रिफिल प्राप्त कर सकते हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अपर जिलाधिकारी (ना०आ०), समस्त उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, समसत क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी एवं समस्त पूर्ति निरीक्षको को निर्देशित किया गया कि निरन्तर भ्रमणशील रहकर यह सुनिश्चित करेगे कि कहीं पर घरेलू गैस सिलेण्डर का अनाधिकृत रूप से भण्डारण, डायवर्जन, ओवररेटिंग एवं कालाबाजारी न हो, यदि कहीं अनाधिकृत रूप से भण्डारण, डायवर्जन, ओवररेटिंग एवं कालाबाजारी पायी जाती है, तो सम्बन्धित के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 एवं भारतीय न्याय संहिता के सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराते हुए कठोर कार्यवाही की जाये। एल०पी०जी० वितरकों को आमजनता के सूचनार्थ हेतु गैस एजेन्सियों के बाहर स्टॉक का प्रदर्शन सुनिश्चित करने, की के०वाई०सी० के लिए अलग से काउन्टर स्थापित करने एवं एल०पी०जी० उपभोक्ताओं से सदव्यवहार करने, गैस एजेन्सी ऑफिस एवं गैस गोदाम पर सी०सी०टी०बी० लगाने हेतु निर्देशित किया गया। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत जनसामान्य में एल०पी०जी० की सुलभ उपलब्धता बनाये रखने हेतु जिला पूर्ति कार्यालय प्रयागराज में कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। गैस रिफिल, बुकिंग आदि के सम्बन्ध में जो शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उनका विवरण रजिस्टर में दर्ज करते हुए शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करायें। तहसीलों में भी कन्ट्रोल रूम स्थापित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

संवेदनशील गैस एजेन्सियों की सुरक्षा हेतु सम्बन्धित को अवगत कराया गया है।

ओवरलोड ट्रक का फिर तांडव, रेलवे का ओवरगेज उखाड़ ले गया

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा मिल की खोई ढोने वाले ओवरलोड ट्रकों का आतंक एक बार फिर देखने को मिला। यहां मिल के पास रेलवे फाटक पर लगाया गया ओवरगेज एक ओवरलोड ट्रक उखाड़कर ले गया, जिससे कुछ समय के लिए रेलवे लाइन बाधित हो गई और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि रेलवे द्वारा यह ओवरगेज खास तौर पर ओवरलोड और ऊंचे वाहनों को रोकने के लिए लगाया गया था, ताकि रेलवे लाइन और फाटक सुरक्षित रहें। लेकिन लापरवाही और ओवरलोडिंग के चलते ट्रक चालक ने इसे ही टक्कर मारकर उखाड़ दिया। घटना के बाद कुछ देर तक रेलवे लाइन पर आवागमन प्रभावित रहा। गनीमत रही कि उस समय कोई ट्रेन वहां से नहीं गुजरी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि मिल की खोई ढोने वाले ओवरलोड ट्रक लगातार नियमों को ताक पर रखकर दौड़ रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से ऐसे वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब सवाल यह है कि आखिर ओवरलोड ट्रकों पर लगाम कब लगेगी?

वीथिका का साहित्यिक आयोजन 'पीढियां' 15 को

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। वीथिका संस्था का अनूठा साहित्यिक आयोजन 'पीढियां' 15 मार्च को सुबह 10 बजे से इलाहाबाद राष्ट्रीय संग्रहालय में होगा। हिंदी साहित्य की तीन पीढ़ियों पर केंद्रित इस कार्यक्रम में देश के प्रमुख साहित्यकार और समालोचक शामिल होंगे। इनमें प्रसिद्ध कथाकार सूर्यबाला (मुंबई), सुप्रसिद्ध उपन्यासकार और कहानीकार मनोज रूपड़ा (नागपुर) युवा कवयित्री आकृति विज्ञा अर्पण (वाराणसी) हैं। यह सभी रचनाकार अपनी रचना और रचना प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे। इन साहित्यकारों की रचनाओं पर विमर्श के लिए प्रो. बसंत त्रिपाठी, डॉ. जनार्दन, डॉ. शिशिर सोमवंशी और ब्रिगेडियर रजनीश त्रिवेदी (कानपुर) रहेंगे।

जीआरपी पुलिस ने मोबाइल चोर को पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनो में बढ़ती चोरी/छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के मद्देनजर चलायें जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरूण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह थाना जीआरपी प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 भूपेन्द्र कुमार थाना जीआरपी प्रयागराज मय पुलिस टीम के रेलवे स्टेशन प्रयागराज के प्लेटफार्म नं0 01 के दिल्ली इन्ड से आगे बने कालोनी गेट जो पीएफ 06 की तरफ जाता है से 50 कदम दूर से समय करीब 14.26 बजे अन्तर्गत धारा 305 (उ), 317 (2) इठर बजे शातिर अभियुक्त दिलीप कुमार उपरोक्त के कब्जे से चोरी की एक मोबाइल बरामद करते हुए गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा हैं।

धनंजय सिंह ने अपर मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज का पदभार ग्रहण किया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । धनंजय कुमार सिंह ने दिनांक 10 मार्च 2026 को उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक (अऊट) का पदभार ग्रहण किया। यह पद नवीन प्रकाश के दक्षिण पूर्व रेलवे में स्थानांतरण के उपरांत रिक्त हुआ था। पदभार ग्रहण करने से पूर्व धनंजय कुमार सिंह प्रयागराज मंडल में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियन्ता (Sr. DME) के पद पर कार्यरत थे।

धनंजय कुमार सिंह ने मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज, गोरखपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की डिग्री प्राप्त की है। वे भारतीय रेलवे यांत्रिक सेवा के वर्ष 2007 बैच के अधिकारी हैं। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत उन्होंने अपने रेलवे करियर की शुरूआत पूर्व तट रेलवे में सहायक मंडल यांत्रिक अभियन्ता के रूप में की।

वर्ष 2017 में उन्होंने जापान में हाई स्पीड ट्रेन तकनीक का प्रशिक्षण प्राप्त किया। अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें वर्ष 2025 में रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

संपादकीय

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

अमेरिका में 20 जनवरी, 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद वैश्विक आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले। ट्रम्प ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के साथ अमेरिकी उद्योग और विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की नीति अपनाई। इसी उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगाने की रणनीति अपनाई। उनका मानना था कि यदि विदेशी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाया जाएगा तो बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अमेरिका में ही उत्पादन शुरू करेंगी और इससे अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। यह नीति अत्यंत आक्रामक रूप से लागू की गई, जिसके कारण वैश्विक व्यापार वातावरण में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा हो गई। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से आने वाले उत्पादों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत को हिला दिया। इसके अलावा अन्य देशों को भी ऐसे कदमों की चेतावनी दी गई, जिससे वैश्विक आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत भी इस नीति से अछूता नहीं रहा। अमेरिका ने भारत से आयातित कई उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया। इसके अतिरिक्त 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ इस आधार पर लगाया गया कि भारत रूस से कच्चे तेल का आयात करता है और उसे प्रसंस्कृत कर यूरोपीय देशों को पेट्रोल और डीजल के रूप में निर्यात करता है।

अमेरिकी प्रशासन का तर्क था कि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना अप्रत्यक्ष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को आर्थिक समर्थन देना है। परिणामस्वरूप 27 अगस्त 2025 से भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया गया। इस निर्णय का भारत की अर्थव्यवस्था पर तत्काल प्रभाव पड़ा। भारतीय पूंजी बाजार में अस्थिरता बढ़ गई और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से अपना निवेश निकालना शुरू कर दिया। इससे शेयर बाजार में गिरावट आई और विदेशी मुद्रा प्रवाह पर भी दबाव बढ़ा। चूँकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है और भारत के निर्यात में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, इसलिए यह कदम भारत के विदेशी व्यापार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया। ट्रम्प प्रशासन की नीतियाँ केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उनमें साम्राज्यवादी सोच के संकेत भी दिखाई दिए। उदाहरण के तौर पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में मुकदमा चलाने की घटना ने वैश्विक राजनीति में नई बहस छेड़ दी। अमेरिका की नजर वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर मानी जा रही है। इसके अलावा डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड द्वीप पर भी अमेरिका ने अपना प्रभाव स्थापित करने की इच्छा जताई। इसी प्रकार मेक्सिको, क्यूबा और ईरान जैसे देशों को भी विभिन्न प्रकार की चेतावनियाँ दी गईं। इन घटनाओं ने वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संबंधों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी। भारत और अमेरिका के संबंधों पर भी इसका प्रभाव पड़ा, लेकिन भारत ने इस चुनौती का सामना करने के लिए त्वरित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई।

बंगाल में राष्ट्रपति- सीएम टकराव- क्या यह संवैधानिक गरिमा का प्रश्न है या चुनावी राजनीति की रणनीति?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहाँ संवैधानिक मयार्दाएँ, प्रोटोकॉल,राजनीति और चुनावी रणनीतियाँ एक साथ टकराती नजर आती हैं। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और इसी बीच राष्ट्रपति के उत्तर बंगाल दौरे को लेकर पैदा हुआ विवाद राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। इस विवाद के केंद्र में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच राजनीतिक टकराव भी दिखाई देता है। एक ओर केंद्र सरकार और सत्तारुड़ पार्टी इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा और संविधान के सम्मान से जोड़कर देख रही है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की सीएम इसे चुनाव से पहले की राजनीतिक रणनीति और केंद्र द्वारा राज्य सरकार को घेरने की कोशिश बता रही हैं।यह विवाद केवल प्रोटोकॉल या औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह केंद्र-राज्य संबंधों, संवैधानिक मयार्दाओं और चुनावी राजनीति की जटिलताओं को भी उजागर कर रहा है।लोकतंत्र में प्रोटोकॉल केवल औपचारिक नियम नहीं होते बल्कि वे संस्थाओं की गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने का माध्यम होते हैं।राष्ट्रपति प्रधानमंत्री या अन्य संवैधानिक पदों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल इसलिए बनाए गए हैं ताकि शासन प्रणाली में अनुशासन और सम्मान बना रहे। यदि इनका पालन नहीं होता तो इससे संस्थागत असंतुलन पैदा हो सकता है।आने

वाले महीनों में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की घोषणा होने की संभावना है। ऐसे में यह विवाद चुनावी प्रचार का प्रमुख मुद्दा बन सकता है।सत्ताधारी पार्टी इसे संवैधानिक सम्मान और आदिवासी गौरव के मुद्दे के रूप में प्रस्तुत कर सकती है, जबकि पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी इसे केंद्र की राजनीतिक साजिश बताकर अपने समर्थकों को लामबंद करने की कोशिश करेगी। इस पूरे विवाद में मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। विभिन्न समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर इस घटना को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है,कुछ लोग इसे राष्ट्रपति का अपमान मान रहे हैं,जबकि कुछ इसे राजनीतिक विवाद बता रहे हैं।लोकतंत्र में मीडिया जनमत को प्रभावित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और ऐसे मामलों में उसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रपति का उत्तर बंगाल दौरा और विवाद की शुरूआत को समझने की करें तो,पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब माननीय राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुँचीं। यह कार्यक्रम एक निजी संगठन इंटरनेशनल संथाल काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था।मूल रूप से इस सम्मेलन का आयोजन दार्जिलिंग जिले के बिधाननगर क्षेत्र में प्रस्तावित था, जहाँ बड़ी संख्या में संथाल आदिवासी समुदाय के लोगों के पहुँचने की संभावना थी। हालांकि बाद में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए कार्यक्रम स्थल को बदलकर बागडोगरा एयरपोर्ट के पासगोशाईंपुर कर दिया गया।राष्ट्रपति ने स्वयं इस परिवर्तन परअसंतोष व्यक्त किया और कहा कि नया स्थल छोटा था,जिसके कारण हजारों संथाल समुदाय के लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। राष्ट्रपति की यह नाराजगी धीरे-धीरे राजनीतिक विवाद का रूप लेने लगी।साथियों बात अगर हम प्रोटोकॉल का प्रश्न और राष्ट्रपति की नाराजगी को समझने की करें तो राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में इस बात पर भी आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके स्वागत के लिए न तो मुख्यमंत्री और न ही राज्य सरकार का कोई वरिष्ठ मंत्री उपस्थित था।उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें इससे कोई शिकायत नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति पद के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री को छोटी बहन बताते हुए यह सवाल भी किया कि क्या वे उनसे नाराज हैं?। राष्ट्रपति के इस बयान ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया, क्योंकि यह पहली बार था जब किसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से प्रोटोकॉल के पालन पर प्रश्न उठाया। इस बयान के बाद सत्तारुड़ पार्टी ने इसे संवैधानिक गरिमा से जोड़कर मुद्दा बनाया और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। साथियों बात अगर हम प्रधानमंत्री और सत्ताधारी पार्टी की प्रतिक्रिया को समझने की करें तो पीएम ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह केवल राष्ट्रपति का अपमान नहीं बल्कि भारत के संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं का भी अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि द्रौपदी मुर्मू स्वयं आदिवासी समुदाय से आती हैं और उनके विकास के लिए समर्पित हैं, ऐसे में उनके कार्यक्रम में अव्यवस्था होना और राज्य सरकार का उचित सहयोग न मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा नेताओं ने इसे आदिवासी अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया। सत्तारुड़ पार्टी के लिए यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण था क्योंकि बंगाल में आदिवासी समुदाय एक महत्वपूर्ण वोट बैंक माना जाता है।साथियों बात अगर हम पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री कापलटवार और राजनीतिक आरोप को समझने की करें तो उन्होंने इन सभी आरोपों को सिरे सेखारिज करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम राज्य सरकार का नहीं बल्कि एक निजी संस्था का आयोजन था।उनके अनुसार राज्य प्रशासन ने पहले ही राष्ट्रपति सचिवालय को यह सूचित कर दिया था कि आयोजकों की तैयारी पर्याप्त नहीं है और इतनी बड़ी सभा को संभालने की क्षमता उनके पास नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि यदि राष्ट्रपति साल में एक बार किसी कार्यक्रम में आती हैं तो वे स्वयं स्वागत केलिए जा सकती हैं,लेकिन यदि चुनाव से पहले बार-बार कार्यक्रम होते हैं तो हर बार उपस्थित रहना संभव नहीं है। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर आरोप लगाया कि राष्ट्रपति के पद का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है। ममता बनर्जी का यह बयान राजनीतिक दृष्टि से बेहद तीखा माना गया क्योंकि उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि राष्ट्रपति सत्ताधारी पार्टी की नीतियों और निर्देशों से प्रभावित होकर कार्य कर रही हैं।साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को केंद्रझराज्य टकराव का नया आयाम इस दृष्टिकोण से समझने की करें तो यह विवाद धीरे-धीरे केंद्र और राज्य सरकार के बीच टकराव का रूप लेने लगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी और पूछा कि मुख्यमंत्री,मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक राष्ट्रपति के स्वागत के लिए क्यों उपस्थित नहीं थे। साथ ही यह भी पूछा गया कि कार्यक्रम स्थल और मार्ग की व्यवस्था ब्लू बुक के अनुसार क्यों नहीं की गई। इन सवालों ने इस मामले को केवल राजनीतिक बहस से आगे बढ़ाकर प्रशासनिक और संवैधानिक जांच के दायरे में ला दिया। साथियों बात अगर हम ब्लू बुक क्या है और इसकामहत्व क्या है इसको समझने की करें तो,इस विवाद के बाद सबसे अधिक चर्चा जिस शब्द की हुई वह था ब्लू बुक। भारत में जब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या प्रधानमंत्री किसी राज्य के दौरे पर जाते हैं तो उनकी सुरक्षा, स्वागत और अन्य व्यवस्थाएँ गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए एक विशेष प्रोटोकॉल दस्तावेज के अनुसार होती हैं जिसे ब्लू बुक कहा जाता है। यह दस्तावेज अत्यंत गोपनीय होता है और केवल चुनिंदा अधिकारियों को ही उपलब्ध कराया जाता है। इसमें राष्ट्रपति के आगमन से लेकर कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, सुरक्षा, मार्ग, झंडा, राष्ट्रगान, बैठने की व्यवस्था और आपातकालीन योजनाओं तक हर छोटी- बड़ी बात का विस्तृत विवरण होता है।ब्लू बुक के प्रमुख प्रावधान- ब्लू बुक के अनुसार जब राष्ट्रपति किसी राज्य में पहुँचते हैं तो राज्यपाल और मुख्यमंत्री या उनके द्वारा नामित मंत्री को हवाईअड्डे पर स्वागत के लिए उपस्थित रहना चाहिए। यदि मुख्यमंत्री किसी कारण से उपस्थित नहीं हो सकते तो मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रपति के लिए तय मार्ग पूरी तरह साफ- सुथरा होना चाहिए,

अविश्वास प्रस्ताव की राजनीति एवं लोकतांत्रिक मूल्य

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण संस्था संसद है, जहां न केवल कानून बनते हैं बल्कि राष्ट्र की दिशा और दशा पर गंभीर विमर्श भी होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल आधार यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी भूमिका को लोकतांत्रिक तरीके से जिम्मेदारी, संयम और मयार्दा के साथ निभाएं, यह नितांत अपेक्षित है। किंतु हाल के दिनों में जिस तरह से लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव चर्चा में आया, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या विपक्ष वास्तव में संसदीय मयार्दाओं और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों को लेकर गंभीर है या वह केवल स्वार्थ की राजनीतिक करने के लिए ऐसे कदम उठा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना एक गंभीर संसदीय कदम माना जाता है। यह केवल राजनीतिक विरोध का साधन नहीं होता, बल्कि इसके पीछे ठोस तर्क, गंभीर आरोप और व्यापक समर्थन होना अपेक्षित होता है। किंतु जिस प्रकार विपक्ष ने यह प्रस्ताव लाया और बाद में उसकी गंभीरता का अभाव दिखाया, उसने इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नों के घेरे में खड़ा कर दिया। जब यह प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हुआ तो विपक्ष ने मतदान की मांग तक नहीं की। यदि विपक्ष को अपने प्रस्ताव पर पूरा विश्वास होता और उसे लगता कि वह सदन का समर्थन प्राप्त कर सकता है, तो वह निश्चित रूप से मत विभाजन की मांग करता। लेकिन ऐसा न होना इस तथ्य को ही पुष्ट करता है कि विपक्ष स्वयं भी जानता था कि यह प्रस्ताव पारित होने की स्थिति में नहीं है। इससे भी अधिक आश्चर्यजनक स्थिति तब देखने को मिली जब प्रस्ताव पर चर्चा का अवसर आया तो विपक्ष ने स्वयं उस पर चर्चा करने के बजाय पश्चिम एशिया के संकट पर बहस की मांग शुरू कर दी। यह विषय निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, किंतु यदि विपक्ष ने स्वयं लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था तो उसे पहले उसी पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए थी। सरकार की ओर से भी यह स्पष्ट किया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा से पीछे नहीं है, लेकिन संसद की कार्यवाही को नियमों और प्राथमिकताओं के अनुसार चलाना आवश्यक है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह संकेत दिया कि विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस अपने ही प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं थी। इस अवसर पर ही नहीं, अनेक अवसरों पर उसने गैर-जिम्मेदारी एवं बचकानेपन का अहसास कराया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वह सरकार की नीतियों की समीक्षा करता है, उसकी गलतियों को उजागर करता है और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है।

क्या यह युद्ध लंबा और विनाशकारी होगा?

प्रो. आरके

मध्य पूर्व अचानक संघर्ष की भयंकर आग में झुलस रहा है। 6 मार्च को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से पूर्ण और बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की – कोई सौदा नहीं, कोई मध्यस्थता नहीं, सिर्फ पूरी तरह जीत। यह अल्टीमेटम युद्ध के सातवें दिन आया, जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हजारों लक्षित हमले किए। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि केवल आत्मसमर्पण के बाद ही ईरान में नया महान और स्वीकार्य नेता चुना जाएगा और देश का पुनर्निर्माण होगा। इस मांग ने कूटनीतिक रास्तों को पूरी तरह बंद कर दिया है। वैश्विक मीडिया इसे मैक्सिमलिस्ट वॉर ऐम्स के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जिससे साफ है कि यह संघर्ष लंबे समय तक जारी रह सकता है। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने इसे केवल एक सपना करार देते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया, जिससे तनाव और भी गहरा गया है। खामेनेई के कड़े शब्दों ने अमेरिका के लिए सीधे चुनौती खड़ी कर दी। ईरान ने ट्रंप का अल्टीमेटम ठुकराते हुए कहा, हम अंत तक लड़ेंगे। इसके तुरंत बाद, ईरानी मल्टी-वारहेड मिसाइलों ने इजराइल और गल्फ क्षेत्रों को विनाश की आग में ढक दिया। 10 मार्च तक, युद्ध के 11वें दिन, 140 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल हो चुके हैं, जिनमें 8 की स्थिति गंभीर है। पेंटागन चुप्प है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ इसे साइलेंट किलर मोड

कहते हैं। ईरान ने क्षेत्रीय सहयोगियों को सक्रिय किया, जिससे लेबनान में 10 लाख लोग विस्थापित हुए। यह संघर्ष अब एट्रिशन वार की ओर बढ़ रहा है, जहां कोई स्पष्ट विजेता दिखाई नहीं देता। ट्रंप का दावा कि ईरान की मिसाइल क्षमता 80% कम हो गई है, हकीकत से मेल नहीं खाता, क्योंकि जवाबी हमले लगातार जारी हैं। रूस के साथ ईरान की बातचीत अमेरिकी आर्थिक दबाव को और गहरा रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था संकट की कगार पर खड़ी है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे मेजर ह्यूमैनिटेरियन इमरजेंसी घोषित किया। अब तक 1000 से अधिक नागरिक स्थल तबाह हो चुके हैं। मध्य पूर्व में अस्थिरता फैल रही है, बेरूत से तेहरान तक बमबारी जारी है। तेल की कीमतें 91 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच गई हैं और होर्मुज स्ट्रेट में खतरे के कारण और बढ़ सकती हैं। जर्मन चांसलर ने चेतावनी दी कि बिना ठोस एग्जिट प्लान के युद्ध अनंत तक खिंच सकता है। चीन ने ईरान को स्पष्ट संदेश दिया कि अमेरिका और इजराइल को चुनौती न दें, जबकि रूस का समर्थन ईरान को जारी है। ट्रंप बार-बार विजय नजदीक बता रहे हैं, लेकिन मिसाइल हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। दुनिया की निगाहें थम गई हैं, क्योंकि किसी भी क्षण परमाणु खतरे का भय मंडरा रहा है। भारत की ऊर्जा व्यवस्था संकट के सबसे गंभीर मोड़ पर है। देश का लगभग 50-60% तेल होर्मुज स्ट्रेट से आता है, जो किसी भी समय पूरी तरह बंद हो सकता है और आपूर्ति ठप्प कर सकता है। पेट्रोल और डीजल 200 रुपये पार कर सकते हैं, जबकि एलपीजी की कमी घरेलू अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डाल रही है। हवाई यात्रा ठप हो गई, फ्लाइट्स 14 घंटे तक फंसीं और लाखों लोग प्रभावित हुए। फरवरी 2026 में आयातित तेल की मात्रा देश की कुल जरूरत का 53% थी, और अब वैकल्पिक स्रोतों की ओर नजरें गड़ाई गई हैं–रूस, अमेरिका और वेस्ट अफ्रीका ही संभावित विकल्प बन रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव चरम पर पहुंच चुका है। दबाव और शांति के बीच संतुलन साधना अब सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। बैकचैनल्स के जरिए शांति के संकेत भेजे जा रहे हैं, लेकिन अल्टीमेटम से पीछे हटना लगभग असंभव है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बिना रिजीम चेंज के कोई जादुई जीत संभव नहीं। ईरान ने सरेंडर नहीं किया; उसका नेतृत्व और भी रेडिकल हो गया है। अमेरिकी बलों ने अब तक 5000 से अधिक टारगेट्स हिट किए, लेकिन ईरानी मिसाइलें लगातार जारी हैं। पेंटागन की चुप्पी वैश्विक स्तर पर सवाल खड़े कर रही है और यह अल्टीमेटम युद्ध को लंबा खींच सकता है, जिससे आर्थिक भार अमेरिका पर भारी पड़ेगा।

ईरान पूरी तरह अमेरिका को थकाने और दबाव में रखने की रणनीति पर केंद्रित है। होर्मुज स्ट्रेट और प्रमुख तेल पाइपलाइंस को निशाना बनाकर उसने वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ा दिया है। क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने के लिए विद्रोही समूहों को सक्रिय करना उसकी रणनीति का हिस्सा बन गया है। युद्ध का कोई सुरक्षित ऑफ-रैंप न होने के कारण यह दावा कि यह जल्द खत्म होगा पूरी तरह खोखला लगता है। संघर्ष का प्रभाव अब खेलों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों तक पहुँच गया है–भारतीय महिला फुटबॉल टीम के वीजा अटक गए, जबकि वेस्ट इंडीज के क्रिकेटर हफ्तों तक फ्लाइट्स से 9-10 दिन बाद घर लौट पाए, जिससे खेल जगत गहरे संकट में है।

असम चुनाव : कांग्रेस में प्रत्याशी को लेकर तीव्र असंतोष, नेतृत्व के फैसले की प्रतीक्षा

आगामी असम विधानसभा चुनाव से पहले लखीपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के भीतर प्रत्याशी चयन को लेकर तीव्र असंतोष और विद्रोह की स्थिति बन गई है। स्थानीय कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। नेताओं ने साफ संकेत दिया है कि यदि उम्मीदवार नहीं बदला गया तो लखीपुर कांग्रेस में बड़ा विद्रोह हो सकता है। कांग्रेस ने हाल ही में असम विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली उम्मीदवार सूची जारी की है। इस सूची में लखीपुर विधानसभा सीट से डॉ. एम. शांति कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। सूची जारी होने के अगले ही दिन बिन्नाकांदी, लखीपुर और राजाबाजार ब्लॉक मंडल कांग्रेस के पदाधिकारी विरोध के लिए सक्रिय हो गए। स्थानीय नेताओं की शुरूआत से ही मांग रही है कि लखीपुर सीट पर बाहरी व्यक्ति के बजाय स्थानीय नेता को टिकट दिया जाए। इस सीट के लिए टिकट के दावेदारों में डॉ. एम. शांति कुमार सिंह के अलावा सुबीर सरकार, जय सिंह, नविना मजूमदार और पंडित हेमंत सिंह भी शामिल थे। लेकिन अंततः पार्टी ने डॉ. शांति कुमार सिंह को उम्मीदवार घोषित कर दिया।

उम्मीदवार सूची जारी होने के बाद तीनों मंडल समितियों के पदाधिकारियों ने बैठक कर डॉ. शांति कुमार सिंह की उम्मीदवारी को स्वीकार न करने का निर्णय लिया। बैठक में यह भी प्रस्ताव पारित किया गया कि यदि पार्टी का केंद्रीय और राज्य नेतृत्व उम्मीदवार नहीं बदलता है तो व्यापक स्तर पर विद्रोह किया जाएगा और सामूहिक इस्तीफे भी दिए जा सकते हैं। इसके बाद लखीपुर कांग्रेस के नेताओं ने सिलचर जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी नेतृत्व से मुलाकात कर लिखित रूप में अपनी आपत्ति दर्ज कराई और उम्मीदवार बदलने की मांग की। लखीपुर मंडल कांग्रेस अध्यक्ष महिबुर रहमान खान, राजाबाजार मंडल कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप पाल तथा बिन्नाकांदी मंडल कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश त्रिवेदी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के हस्ताक्षरित पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि उम्मीदवार नहीं बदला गया तो लखीपुर कांग्रेस में विद्रोह की स्थिति पैदा होगी। इस संबंध में राज्य नेतृत्व को भी अवगत करा दिया गया है। हालांकि पार्टी नेतृत्व के संकेत मिलने के बाद फिलहाल स्थानीय नेता खुले विद्रोह से पीछे हट गए और अपने निर्णय को गोपनीय रखा। लेकिन हाल ही में यह गोपनीय प्रस्ताव लीक होकर वायरल हो जाने से पार्टी के अंदर भारी हलचल मच गई है। अब यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि यह गोपनीय निर्णय बाहर कैसे आया।

तेल की कीमतों में उछाल आया, उपभोक्ताओं में घबराहट

अशोक भाटिया

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है। ईरान से जुड़े युद्ध के बीच भले ही सरकार ने तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही है, लेकिन देश के कई हिस्सों में एलपीजी की कमी से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। हॉस्पिटैलिटी बॉडी के मुताबिक आर्थिक राजधानी मुंबई में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति घटने के कारण करीब 20 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं और यह आंकड़ा ज्यादा भी हो सकता है ।संगठन का कहना है कि यदि यही स्थिति जारी रहती है तो अगले दो-तीन दिनों में लगभग 50 प्रतिशत तक खाने-पीने की दुकानें बंद हो सकती हैं। रेस्टोरेंट मालिकों का कहना है कि पिछले दो दिनों से कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सी तरह की समस्या बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में भी सामने आ रही है। संगठन का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं होती है तो यहां भी स्थिति गंभीर हो सकती है। बेंगलुरु में होटल मालिकों ने संकेत दिए हैं कि कॉमर्शियल एलपीजी की सप्लाई बाधित होने पर उन्हें अपने संचालन अस्थायी रूप से बंद करने पड़ सकते हैं, क्योंकि उनका काम पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर है। चंडीगढ़ में भी एलपीजी सप्लाई को लेकर हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। क्ल्लिल्ली गैस एजेंसी के गोदाम में बड़ी संख्या में कमर्शियल गैस सिलेंडर जमा पड़े हैं। कर्मचारियों के मुताबिक पिछले चार दिनों से कमर्शियल सिलेंडर की नियमित सप्लाई नहीं मिल रही है, जिसकी वजह से जो सीमित सिलेंडर आ रहे हैं, वे गोदाम में ही इकट्ठा हो रहे हैं।

गोदाम में काम करने वाले कर्मचारी सोनू के अनुसार होटल और रेस्तरां संचालक लगातार सिलेंडर के बारे में पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा घरेलू गैस की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है और कर्मचारियों का कहना है कि घरेलू एलपीजी की सप्लाई लगभग आधी रह गई है। इस स्थिति के कारण शहर में होटल, रेस्तरां और खाने-पीने के कारोबार से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उनका संचालन पूरी तरह गैस सिलेंडर की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

भोपाल में भी ईरान से जुड़े युद्ध के बीच गैस की किल्लत का असर साफ दिखाई देने लगा है। यहां कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई रुकने और घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के बीच 25 दिन का अंतर अनिवार्य किए जाने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। हालात ऐसे हैं कि गैस एजेंसियों के गोदामों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगने लगी हैं। कई लोग सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर चिंतित हैं। आम उपभोक्ताओं का कहना है कि सरकार भले ही स्थिति सामान्य होने की बात कर रही हो, लेकिन जमीनी स्तर पर सिलेंडर आसानी से नहीं मिल रहे हैं और कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई अचानक बंद कर दी गई है।

लोगों का यह भी आरोप है कि मौजूदा स्थिति का फायदा उठाते हुए कुछ गैस एजेंसियां सिलेंडर की कमी का हवाला देकर उपभोक्ताओं को इंतजार करने के लिए मजबूर कर रही हैं। इससे शहर में गैस सप्लाई को लेकर असमंजस और चिंता का माहौल बन गया है। दूसरी ओर केंद्र सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और तेल-गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है।

भारत की ऊर्जा व्यवस्था संकट

आरके जैन

भारत की ऊर्जा व्यवस्था संकट के सबसे गंभीर मोड़ पर है। देश का लगभग 50-60% तेल होर्मुज स्ट्रेट से आता है, जो किसी भी समय पूरी तरह बंद हो सकता है और आपूर्ति ठप्प कर सकता है। पेट्रोल और डीजल 200 रुपये पार कर सकते हैं, जबकि एलपीजी की कमी घरेलू अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डाल रही है। हवाई यात्रा ठप हो गई, फ्लाइट्स 14 घंटे तक फंसीं और लाखों लोग प्रभावित हुए। फरवरी 2026 में आयातित तेल की मात्रा देश की कुल जरूरत का 53% थी, और अब वैकल्पिक स्रोतों की ओर नजरें गड़ाई गई हैं–रूस, अमेरिका और वेस्ट अफ्रीका ही संभावित विकल्प बन रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय तनाव चरम पर पहुंच चुका है। दबाव और शांति के बीच संतुलन साधना अब सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। बैकचैनल्स के जरिए शांति के संकेत भेजे जा रहे हैं, लेकिन अल्टीमेटम से पीछे हटना लगभग असंभव है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बिना रिजीम चेंज के कोई जादुई जीत संभव नहीं। ईरान ने सरेंडर नहीं किया; उसका नेतृत्व और भी रेडिकल हो गया है। अमेरिकी बलों ने अब तक 5000 से अधिक टारगेट्स हिट किए, लेकिन ईरानी मिसाइलें लगातार जारी हैं। पेंटागन की चुप्पी वैश्विक स्तर पर सवाल खड़े कर रही है और यह अल्टीमेटम युद्ध को लंबा खींच सकता है, जिससे आर्थिक भार अमेरिका पर भारी पड़ेगा।ईरान पूरी तरह अमेरिका को थकाने और दबाव में रखने की रणनीति पर केंद्रित है। होर्मुज स्ट्रेट और प्रमुख तेल पाइपलाइंस को निशाना बनाकर उसने वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ा दिया है। क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने के लिए विद्रोही समूहों को सक्रिय करना उसकी रणनीति का हिस्सा बन गया है। युद्ध का कोई सुरक्षित ऑफ-रैंप न होने के कारण यह दावा कि यह जल्द खत्म होगा पूरी तरह खोखला लगता है। संघर्ष का प्रभाव अब खेलों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों तक पहुँच गया है–भारतीय महिला फुटबॉल टीम के वीजा अटक गए, जबकि वेस्ट इंडीज के क्रिकेटर हफ्तों तक फंसे रहे, कुछ खिलाड़ी कमर्शियल फ्लाइट्स से 9-10 दिन बाद घर लौट पाए, जिससे खेल जगत गहरे संकट में है।डिप्लोमेसी अब सबसे अहम जरूरत बन गई है। रूस और ईरान की बातचीत जारी है, जबकि चीन की चेतावनी स्पष्ट और सख्त है। ट्रंप बैकचैनल्स के माध्यम से शांति के संकेत दे रहे हैं, लेकिन सरेंडर या डाई अल्टीमेटम इसे रोक रहा है। ईरान न्यूक्लियर रिफाइनमेंट तेज कर सकता है।

भाजपा नेता ने दलित बस्ती में शुरू कराया विद्युतीकरण का कार्य

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। भाजपा नेता उमेश तिवारी के प्रयास से हथिगहां दलित बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य शुक्रवार को शुरू हो गया जिससे दलित बस्ती के लोगों ने भाजपा का आभार जताया गौरतलब है दलित बस्ती में दो 10 केवीए के ट्रांसफार्मर लगे थे अत्यधिक ओवरलोड होने के कारण गर्मी में बार बार ट्रांसफार्मर जलने जाते थे लोगों को काफी समस्या होती थी जिसकी जानकारी भाजपा नेता उमेश तिवारी को दलित बस्ती के लोगों ने इसकी जानकारी दी जानकारी होने पर भाजपा नेता उमेश तिवारी ने बिजली विभाग के अधिकारियों से यहां दो 25 केवीए ट्रांसफार्मर लगवाने की बात की जिसपर बिजली विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए विद्युतीकरण का कार्य शुरू करा दिया गया

श्रीमद्भागवत कथा में सुदामा चरित्र सुनकर भाव विभोर हुए श्रोता

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। विकास खंड बहरिया के रामगढ़ कोठारी गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन शुक्रवार को कथा वाचिका श्री राधे सिया जी ने सुदामा चरित्र का बड़ा ही मार्मिक वर्णन करते हुये कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता बेमिसाल है जिससे हमें सीख मिलती हैं कि मित्रता में कोई छोटा बड़ा नहीं होता हैं। इस मौके पर गुरु महाराज सुदर्शनाचार्य महाराज आचार्य पं विमल मिश्रा के अलावा मुख्य यजमान श्रीमती प्रेमा देवी, विपिन शुक्ल,विनय शुक्ल, कृष्णकांत शुक्ल, प्रकाश चन्द्र मिश्र, रमाशंकर शुक्ल,दिनेश चन्द्र पाण्डेय, अनिल कुमार पटेल,विवेक शुक्ला, कृष्ण कुमार मिश्र, विनोद कुमार पटेल,सोनू शुक्ला लल्लन शुक्ल, राजू धूरिया,सूर्यकांत शुक्ल,राम पाण्डेय सहित ग्रामवासी लोग रहे।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में 15 दिवसीय विशेष अनुष्ठान का हुआ शुभारंभ

अयोध्या।

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में गुरुवार को 15 दिवसीय विशेष अनुष्ठान श्री राम जानकी महायज्ञ का शुभारंभ हुआ।यह विशेष अनुष्ठान दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण आज से 17 मार्च तक और दूसरा चरण 19 से 27 मार्च तक चलेगा। 19 मार्च को होने वाले आयोजन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत पांच हजार से अधिक मेहमान शामिल होंगे। इसी दिन राष्ट्रपति राम मंदिर के दूसरे तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना करेंगी।

डायरिया चैम्पियनों को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित

मुरादाबाद।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में गुरुवार को ह्यडायरिया से डर नहींह्ल कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आगामी स्टॉप डायरिया कैंपेन (डायरिया रोको अभियान) को लेकर तैयार की जा रही योजना पर भी विचार-विमर्श हुआ।

उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों के लिए लिखित परीक्षा 14 और 15 मार्च को

दोनों दिन दो-दो पालियों में आयोजित होगी परीक्षा

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा प्रदेश के 75 जनपदों के 1090 परीक्षा केन्द्रों में 14 मार्च एवं 15 मार्च को दो-दो पालियों में आयोजित कर रहा है। पूर्वान्ह में 10.00 बजे से मध्यान्ह 12.00 बजे तक एवं अपरान्ह 03.00 बजे से सायं 05.00 बजे तक परीक्षा होगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने सीधी भर्ती-2025 के अन्तर्गत 4543 पदों पर अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए थे। इसमें कुल 15,75,760 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें पुरूष-11,66,386 हैं जबकि 4,09,374 अभ्यर्थी महिला हैं।

लिखित परीक्षा के आयोजन के लिए गुणवत्तापूर्ण परीक्षा केन्द्रों के चयन निर्धारण के अन्तर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय, राजकीय डिग्री कॉलेज, राज्य/केन्द्र के विद्यालय/विश्वविद्यालय, पालीटेक्निक, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज आदि ही सम्मिलित किए गये हैं। महिला अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए उनके मण्डल का ही जनपद आवंटित किया गया है।

लिखित प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी, नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से कराये जाने के संबंध में इम्पसीनेंशन कंट्रोल (प्रतिरूपण नियंत्रण) के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने कई इंतजाम किए हैं। परीक्षा केन्द्रों की सीसीटीवी से मानीटरिंग हेतु त्रिस्तरीय कन्ट्रोल एवं कमांड सेंटर (परीक्षा केन्द्र, जनपद एवं बोर्ड) व्यवस्था की गई है।

परीक्षा के निष्पक्ष, नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराए जाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड एवं एसटीएफ द्वारा सघनता एवं सूक्ष्मता से सतर्क दृष्टि रखी जाएगी। यदि कोई अवांछनीय गतिविधियों मे संलिप्त पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि अनुचित साधनों के प्रयोग, प्रतिरूपण, अवांछनीय कृत्यों, दलालों और नौकरी रैकेट चलाने वालों से सावधान रहें ।

परीक्षा केन्द्रों पर पाठ्य सामग्री (मुद्रित या लिखित), कागज के ज्यामितीय-पेंसिल बाक्स, प्लास्टिक पाउच, किसी भी प्रकार का कैल्कुलेटर, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, स्केल, कॉपी, पेन ड्राइव, इरेजर, लॉग टेबुल/ इलेक्ट्रानिक पेन/स्कैनर, डिजिटल पेन, इलेक्ट्रानिक गैजेट जैसे मोबाइल फोन, चाभी, किसी प्रकार की घड़ी, ज्वैलरी, स्मार्ट वाच, ब्लूटूथ डिवाइस, इयरफोन, पेजर, हेल्थ बैण्ड, बटुआ/ पर्स, काला चश्मा, हैण्डबैग, टोपी, खाने का सामान, सिगरेट, लाइटर, माचिस, गुटखा लाना पूर्ण रूप से वर्जित है। परीक्षा अवधि में अभ्यर्थी के पास उपरोक्त सामग्री पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम के विशेष अभियान से मूसहर बस्तियों में पहुंची सरकारी योजनाएं

153 के जन्म प्रमाण पत्र, 53 के आधार कार्ड; 64 को आवासीय पट्टा और 21 को मिला मुख्यमंत्री आवास

देवरिया।

समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को शासन की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देशन में विकासखंड पत्थरदेवा के ग्राम मलवाबर, सुंदरपुर व आनंदनगर में रहने वाले मूसहर समुदाय के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में इन ग्रामों में प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं का विशेष कैंप आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मूसहर समाज के लोगों को जरूरी दस्तावेज और योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक भी योजनाओं का लाभ पहुंचे।

इसके लिए प्रशासनिक टीम गांव-गांव जाकर ऐसे परिवारों की पहचान कर रही है, जो अब तक किसी कारणवश सरकारी योजनाओं से वंचित रहे हैं। जिन लोगों के पास आवश्यक दस्तावेज नहीं हैं, उनके लिए विशेष कैंप लगाकर जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड सहित अन्य जरूरी दस्तावेज बनवाए जा रहे हैं, ताकि वे शासन की योजनाओं से लाभान्वित हो सकें।

चोरो ने बहरिया पुलिस को दिया खुला चैलेंज

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के रामगढ़ कोठारी में स्थित कम्पोजिट विद्यालय में बीस दिनों में चोरों ने दुबारा चोरी करते हुये ब्लांक प्रमुख बहरिया शंशाक मिश्र के द्वारा अभी कुछ दिन पहले बच्चों को पानी पीने के लिये सोलर पम्प लगवाया था शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों द्वारा पैनल चुरा लिया गया । इस संबंध में विद्यालय में कार्यरत वा शिक्षक संघ के महामंत्री मन्नी लाल ने बताया कि अभी 23 फरवरी को इसी विद्यालय में अज्ञात चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर लाखों रुपए का सामान चुरा ले गए पुलिस अभी तक उसका खुलासा नहीं कर पाई की 13 तारीख की रात में सोलर पैनल भी चुरा ले गए बताइए हम लोग क्या करें वहीं थानाध्यक्ष बहरिया ब्रजेश सिंह का कहना कि चोरी का खुलासा जल्द से जल्द किया जायेगा।

जनसेवा केंद्र संचालक से लूट का खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार

कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल, नगदी, मोबाइल फोन और अवैध असलहे बरामद किए गए

जौनपुर।

यूपी के जौनपुर में जफराबाद थाना क्षेत्र में जनसेवा केंद्र संचालक को गोली मारकर लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए गुरुवार रात मुठभेड़ में तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से लूटी गई मोटरसाइकिल, नगदी, मोबाइल फोन और अवैध असलहे बरामद किए गए हैं।इस संबंध में शुक्रवार को जानकारी देते हुए सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के नेतृत्व में ,जफराबाद, गौराबादशाहपुर और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। गोसाईपुर गांव निवासी जनसेवा केंद्र संचालक प्रेमचंद यादव को 11 मार्च की रात अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर उनकी मोटरसाइकिल, मोबाइल और बैग में रखा पैसा लूट लिया था। इस मामले में उनकी पत्नी निशा देवी की तहरीर पर थाना जफराबाद में मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना के खुलासे के लिए तीन टीम लगाई गई थी। पुलिस टीम रात में बेलवा घाट के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर बेलाव पुल के पास घेराबंदी की गई। तभी मोटरसाइकिल से तीन संदिग्ध आते दिखे। पुलिस के रुकने के इशारे पर बदमाश भागने लगे और भागते हुए पुलिस पर फायरिंग कर दी।फायरिंग में उपनिरीक्षक अरविंद कुमार सिंह के हाथ में गोली लग गई, जबकि थानाध्यक्ष की बुलेटप्रूफ जैकेट में भी गोली लगी। पुलिस द्वारा जवाबी कार्रवाई में की गई फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वो घायल हो गया और पुलिस ने मौके से तीनों को दबोच लिया।

फूलपुर के उसरी मैलहन की घटना

कोचिंग जा रही छात्र को ट्रक ने रौंदा मौके पर मौत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर थाना अंतर्गत उसरी ग्राम सभा के पाल चौराहे पर कोचिंग पढ़ने जा रही छात्रा की लोड़ ट्रक से दबकर दर्दनाक मौत हो गई। छात्रा प्राची यादव उम्र 17 वर्ष पुत्री कलेक्टर यादव गांव रैनी मौनस का पूरा शुक्रवार सुबह 7 बजे पाल चौराहा पर जैसे ही मुबारकपुर रोड पर आदर्श इंटर कॉलेज की ओर मुड़ी तभी प्रतापगढ़ की ओर से मैदा लगी ट्रक जो फूलपुर की ओर जा रही थी, उसके चपेट में आ गई। मौके पर ही प्राची यादव की दर्दनाक मौत हो गई। इसी बीच ट्रक ड्राइवर ट्रक छोड़ कर भाग निकला। गुस्साये ग्रामीणों ने तोड़फोड़ करनी चाही पर स्थानीय लोगों ने मना कर दिया और तत्काल सूचना फूलपुर पुलिस थाने को दिया। आनन फानन पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराते हुए छात्रा का शव पोस्टमार्टम हेतु थाने भेजा। मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस तैनात कर दी गई है ।

चैत्र नवरात्र मेला तैयारी: डीएम ने विंध्य कॉरिडोर व गंगा घाट का किया रात में निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज प्रयागराज। स्थानीय कस्बा के विभिन्न मस्जिदों में अलविदा की नमाज पाकीजगी व ऐहतेराम के साथ अदा की गई रमजान के आखिरी जुमा को अलविदा की नमाज पढ़ने के लिए शुक्रवार को कस्बा भर के तमाम मस्जिदों में भारी भीड़ रही खुदा की बारगाह में पहुंच जहां लोग नम आंखों से अपने बख्शीश की दुआ मांगी वहीं मुल्क में अमनो अमान के लिए दुआएं खैर पढ़ी शुक्रवार को कस्बा भर की मस्जिदों में अलविदा की नमाज बड़ी ही अकीदत के साथ अदा की गई सुबह होते ही हर मुसलमान जुमातुल विदा की नमाज की तैयारी में लगा हुआ था माहं का आखिरी जुम्मा होने के कारण नमाज का वक्त होते-होते बड़ों के साथ बच्चे भी बड़ी तादाद में मस्जिदों में पहुंचे जहां मस्जिदे रोजेदारों की तादाद के सामने छोटी पड़ गई इस पाक माह के विदा होने का गम हर रोजेदारों के चेहरे पर साफ क्षलकता दिखाई पड़ा हर किसी की आंखें रमजान उल मुबारक के विदा होने के एवज में नम रही इबादत के जज्बे से लबरेज रोजेदारों की तादात मस्जिदों की तरफ रुख किए हुए बढ़ती रही और बड़ी ही अकीदत के साथ जुमातुल अलविदा की नमाज अदा की गई दोपहर में अहलादगंज, खानंजहाँपुर , रावा, चकरावा इमामगंज ,रजागंज, निन्दूरा, दानियलपुर, उमरावगंज, स्थित आदि मस्जिदों में अलविदा की खास नमाज अदा की गई इससे पहले खुतबे में रोजा जकात शबे कद्र सदकए फित्र ऐतेकाफ और ईदुल फित्र का इमामो ने तफसील से जिक्र किया अकीदतमंदों ने इस मौके पर दुनिया की सलामती और तरक्की की दुआएं मांगी अलविदा की नमाज को लेकर नगर पंचायत की ओर से बृहस्पतिवार को ही सारी तैयारी पूरी की जा चुकी थी ईओ पद्मजा मिश्रा के आदेश पर मुस्लिम बहुल्य क्षेत्र में पड़ने वाली मस्जिदों के आसपास साफ-सफाई के साथ चूना का छिड़काव किया गया था नमाज में किसी भी प्रकार के खलल पैदा ना हो इसके लिए एसओ नवाबगंज राघवेन्द्र सिंह स्थानीय चौकी प्रभारी मनीष कुमार राय पुलिस बल के साथ क्षेत्र का ब्राह्मण करते दिखे ।

गैस सिलेंडर को लेकर अफवाहों से बचें, सर्वर स्लो होने से आई थी बुकिंग में दिक्कत: डीएम

गैस सिलेंडर की किल्लत की चचाओं के बीच जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने स्पष्ट किया है कि जनपद में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है

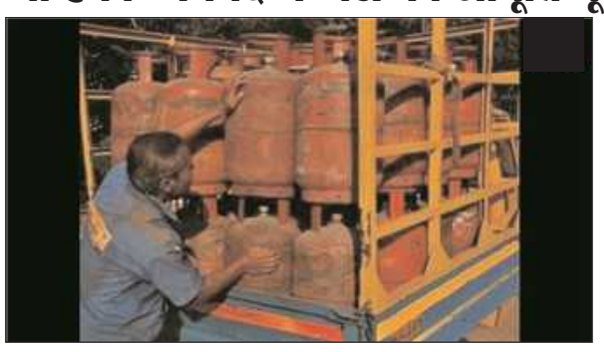

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत की चचाओं के बीच जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने स्पष्ट किया है कि जनपद में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। तकनीकी कारणों से ऑयल कंपनियों के सर्वर स्लो होने के चलते गुरुवार को ऑनलाइन बुकिंग में कुछ समय के लिए समस्या जरूर आई थी, लेकिन इसका समाधान किया जा रहा है और जल्द ही बुकिंग व डिलीवरी पहले की तरह सुचारु हो जाएगी।

डीएम ने बताया कि सर्वर की धीमी गति के कारण उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग में परेशानी का सामना करना पड़ा, जिससे कई जगहों पर किल्लत की अफवाहें फैल गईं। उन्होंने कहा कि जनपद में गैस की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है और कहीं भी वास्तविक कमी की स्थिति नहीं है।

जिलाधिकारी ने सभी घरेलू गैस उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गैस एजेंसियों या गोदामों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। यदि घर में भरा हुआ सिलेंडर मौजूद है तो फिलहाल अतिरिक्त सिलेंडर लेने के लिए प्रयास न करें, ताकि जरूरतमंद उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन गैस आपूर्ति को लगातार सुचारु बनाए रखने के लिए निगरानी कर रहा है। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देते हुए लोग प्रशासन का सहयोग करें। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि तकनीकी समस्या दूर होते ही ऑनलाइन बुकिंग और सिलेंडर की डिलीवरी सामान्य रूप से शुरू हो जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

बाइक की टक्कर पर बवाल, दो समुदायों में मारपीट, लाठी-डंडे चले, चार घायल

बरेली ।

उत्तर प्रदेश के बरेली में शहर कोतवाली क्षेत्र के मठ की चौकी इलाके में गुरुवार देर रात बाइक की टक्कर को लेकर दो समुदायों के लोगों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट होने लगी। लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। झड़प में चार लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

पुलिस के अनुसार, एक युवती साइकिल से जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आई स्कूटी ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद आसपास मौजूद लोगों ने स्कूटी सवार से पूछताछ शुरू कर दी। इस दौरान कहासुनी बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

इसी बीच बाइक से शीतलपुर निवासी कुछ युवक भी वहां पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों ओर से लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चलने लगे। मारपीट में चार लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

एक पक्ष का आरोप है कि मठ की चौकी निवासी विक्की, जो बांसमंडी में चाय का खोखा चलाते हैं, को घेरकर पीटा गया। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि उनके लोग वहां युवती की मदद करने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें ही टक्कर का जिम्मेदार बताकर मारपीट की गई।

दो समुदायों के बीच झड़प की सूचना मिलते ही कोतवाली इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र गौतम और सीओ प्रथम आशुतोष शिवम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर ले ली गई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज की मंजूलता नागेश नेपाल में स्त्री शक्ति सम्मान से सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कवियत्री एवं लेखिका मंजू लता नागेश को नेपाल में सम्मानित किया गया। नेपाल भारत मैत्रिय विकास मिथिला तथा अवध सांस्कृतिक पर्यटन विकास देवनागरी लिपि के संरक्षण में हिंदी - नेपाल भाषा को मैत्री भाषा के रूप में प्रचार प्रसार करने तथा देश-विदेश की विभिन्न क्षेत्र की महिला प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शब्द प्रतिभा बहु क्षेत्रीय सम्मान नेपाल फाउंडेशन द्वारा आयोजन किया गया। इस दौरान प्रयागराज की मंजू लता नागेश के अलावा सात देशों की 300 महिला लेखिकाओं, समाज सेविकाओं और शिक्षिकाओं को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष आनंद गिरि मायालु ने आयोजन के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंजू लता को सम्मानित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती बहुमुखी प्रतिभाओं से भरी हुई है। होनहार प्रतिभा के रूप में मंजूलता नागेश को सम्मानित कर गर्व हो रहा है। मंजू लता नागेश की अब तक एक काव्य संग्रह (अस्तित्व की पहचान) एक गजल संग्रह (यादों का कारवां) हिंदुस्तानी साहित्य की पत्रिका गुफ्तगू में 30 पेज का परिशिष्ट प्रकाशित हो चुका है। इसके अलावा 10 साझा काव्य संकलन भी प्रकाशित हो चुके है।

एसबीआई और एमयूएफजी बैंक ने वित्तीय साझेदारी पर हस्ताक्षर किए

- दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और जापान का एमयूएफजी बैंक ने रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह समझौता मुख्य रूप से विलय और अधिग्रहण (एमएंडए), विमानन और रियल एस्टेट फाइनेंस क्षेत्रों पर केंद्रित है। दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे। एसबीआई ने बताया कि नए आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उसकी ऋण देने की अधिकतम सीमा लगभग 94,000 करोड़ रुपए है। साझेदारी के तहत दोनों बैंक एमएंडए एडवाइजरी, ट्रेड फाइनेंस और रिटेल बैंकिंग सॉल्यूशंस पर सहयोग करेंगे। इसके अलावा, जापानी कॉर्पोरेट-आधारित संभावित आयात-निर्यात लेन-देन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। एसबीआई की भारतीय बाजार में गहरी पकड़ और एमयूएफजी के वैश्विक नेटवर्क का संयोजन इस साझेदारी को खास बनाता है। दोनों बैंक अपनी पूरक क्षमताओं का उपयोग करके सीमा-पार पूंजी प्रवाह को आसान बनाएंगे। इससे न केवल नए वित्तीय अवसर उत्पन्न होंगे, बल्कि भारत और जापान की अर्थव्यवस्थाओं में स्थायी विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक जापानी ऋणदाताओं के साथ एमएंडए फाइनेंसिंग पर चर्चा कर रहा था। एमयूएफजी बैंक के भारत और श्रीलंका क्षेत्रीय कार्यकारी ताकुया सेनो ने कहा कि भारत विश्व स्तर पर सबसे आकर्षक विकास बाजारों में से एक है। साझेदारी के माध्यम से, एमयूएफजी भारत में इनबाउंड निवेश और भारतीय कॉर्पोरेट्स के आउटबाउंड विस्तार दोनों का समर्थन करेगा।

टेक्सास में नई रिफाइनरी की घोषणा, रिलायंस के निवेश का दावा

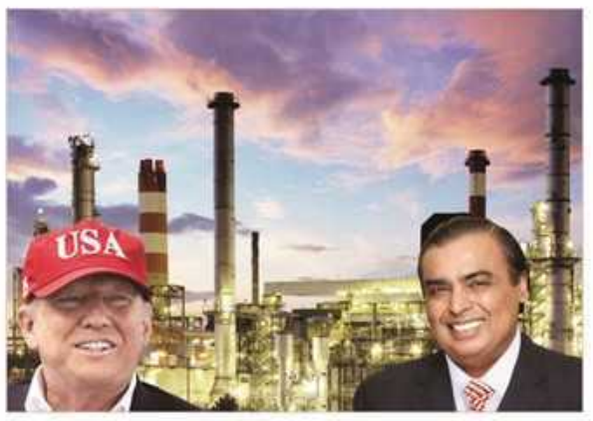

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 300 अरब डॉलर के करार का किया जिक्र

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टेक्सास के ब्राउंसे विले में नई रिफाइनरी स्थापित किए जाने की घोषणा की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताया कि इस परियोजना में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के निवेश से लगभग 300 अरब डॉलर का करार किया गया है। इस निवेश के तहत ब्राउंजविल में एक बड़ी रिफाइनरी स्थापित करने की योजना बताई गई है। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस परियोजना को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ट्रंप के अनुसार, इस रिफाइनरी का निर्माण अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग (एएफआर) नामक कंपनी द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना अमेरिका में पिछले लगभग 50 वर्षों में बनने वाली पहली नई रिफाइनरी होगी। ट्रंप का कहना है कि इस रिफाइनरी के शुरू होने से ऊर्जा निर्यात में वृद्धि होगी, बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे और आसपास के क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है जब इंडिया और अमेरिका के बीच फरवरी 2026 में एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत भारत ने अगले पांच वर्षों में ईंधन सहित लगभग 500 अरब डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदने की मंशा जताई थी, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।

होर्मुज संकट के बीच भारत ने बढ़ाए वैकल्पिक ईंधन स्रोत

ईरान-अमेरिका-इजरायल तनाव से बंद हुआ होर्मुज मार्ग, भारत अन्य रास्तों से तेल-गैस मंगा रहा

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण रणनीतिक समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज बंद होने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारत ने वैकल्पिक समुद्री मार्गों से कच्चा तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) मंगाने की व्यवस्था तेज कर दी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि अगले कुछ दिनों में कच्चे तेल के दो कार्गो जहाज भारत पहुंचने वाले हैं, जबकि एलएनजी के दो अन्य जहाज भी रास्ते में हैं। उन्होंने कहा कि पहले भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज मार्ग से अलग रास्तों से आता था, जो अब बढ़कर करीब 70 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने घरेलू जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तेल कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। 5 मार्च को जारी आदेश के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने एलपीजी उत्पादन लगभग 25 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। साथ ही पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग फिलहाल रोक दिया गया है ताकि घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है, जिनमें से करीब 90 प्रतिशत आपूर्ति सामान्यतः होर्मुज मार्ग से होती है। प्राकृतिक गैस की कुल खपत लगभग 18.9 करोड़ मानक घन मीटर प्रतिदिन है, लेकिन भारत के प्रमुख एलएनजी आपूर्तिकर्ता कतर इनर्जी के उत्पादन रुकने से करीब 4.6 करोड़ मानक घन मीटर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस बीच विदेश मंत्रालय के अनुसार संघर्ष क्षेत्र में एक वाणिज्यिक जहाज पर हमले में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य लापता है। फिलहाल परे सियन गल्फ क्षेत्र में भारतीय झंडे वाले 28 जहाज और 700 से अधिक भारतीय नाविक मौजूद हैं। सरकार का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और घबराने की जरूरत नहीं है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर खतरा, एसएंडपी की चेतावनी

- भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार केवल 10 दिन की खपत के लिए पर्याप्त

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चेतावनी दी कि भारत की अर्थव्यवस्था ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में है। भारत अपने कच्चे तेल की लगभग 88 फीसदी जरूरतें आयात करता है और यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। देश में प्रतिदिन 58 लाख बैरल तेल की खपत होती है, जिसमें से 25-27 लाख बैरल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मार्ग से आता है। एलपीजी और एलएनजी का भी एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग पर निर्भर है। भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार केवल 10 दिन की खपत के लिए पर्याप्त हैं, जबकि वाणिज्यिक भंडार 65 दिन का ही समर्थन कर सकता है। एलपीजी और एलएनजी का भंडार और भी कम है, क्रमशः केवल 25-30 दिन और 10-12 दिन की जरूरतें पूरी कर पाता है। सीमित भंडार के कारण, वैश्विक आपूर्ति संकट या कीमतों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव सीधे देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। भारत समुद्री

मार्गों पर अत्यधिक निर्भर है, लेकिन कुछ विविधीकरण किया जा रहा है। रूस से 11 लाख बैरल प्रतिदिन का आयात जारी है, जबकि वेनेजुएला से हाल ही में 1.42 लाख बैरल प्रतिदिन का आयात फिर से शुरू हुआ। यह कदम आपूर्ति संकट के समय विकल्प प्रदान करने की दिशा में है। एसएंडपी का कहना है कि ऊर्जा आयात पर अधिक निर्भरता वाले एशियाई देशों में आर्थिक जोखिम अधिक है।

आईईए का ऐतिहासिक फैसला, 400 मिलियन बैरल तेल बाजार में रिलीज़

- कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में तनाव और कच्चे तेल की आपूर्ति पर दबाव के बीच इंटरनेशनल इनर्जी एजेंसी (आईईए) ने इतिहास में सबसे बड़ा कदम उठाया है। एजेंसी के 32 सदस्य देशों ने मिलकर 400 मिलियन बैरल कच्चा तेल रणनीतिक भंडार से बाजार में जारी करने का निर्णय लिया। यह आईईए द्वारा अब तक किया गया सबसे बड़ा ऑयल रिलीज़ है। विशेषज्ञों के अनुसार इस कदम से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना है। आईईए के प्रस्ताव को मंगलवार को सदस्य देशों की बैठक में पेश किया गया और बुधवार को सभी 32 देशों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। अगर कोई भी देश वीटो करता, तो प्रस्ताव पारित नहीं होता। अमेरिका और जापान इस पहल में सबसे बड़ा योगदान देंगे, जबकि यूरोपीय देशों और जर्मनी ने भी भागीदारी की पुष्टि की है। हाल ही में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। वैश्विक स्तर पर लगभग 20 मिलियन बैरल प्रतिदिन की सप्लाई बाधित होने का अनुमान है। आईईए सदस्य देश एक महीने में करीब 100 मिलियन बैरल तेल बाजार में उतारने की योजना बना रहे हैं, जिससे रोजाना लगभग 3.3 मिलियन बैरल तेल उपलब्ध हो सकेगा। इस कदम से ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद है। आईईए का मुख्यालय पे रिस, फ्रांस में है और यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए रणनीतिक फैसले लेती है। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान आईईए ने 182 मिलियन बैरल तेल जारी किया था, लेकिन यह अब तक का सबसे बड़ा रिलीज़ है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.20 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 31 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.32 पर पहुंच गया। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के कारण विदेशी पूंजी की निकासी, वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की कमजोर शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.25 पर खुला। फिर और गिरावट के साथ 92.32 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे कम है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.01 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.47 पर रहा।

अल्फाग्रेप को मिली सेबी से म्यूचुअल फंड कारोबार की मंजूरी

नई दिल्ली । निवेश कंपनी अल्फाग्रेप को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। इस कदम के साथ कंपनी खुदरा परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में प्रवेश करेगी और आम निवेशकों को उन्नत निवेश उत्पादों तक पहुंच प्रदान करेगी। कंपनी का उद्देश्य है कि म्यूचुअल फंड के माध्यम से एल्गोरिदम और तकनीकी निवेश उपकरण को व्यापक निवेशकों तक पहुंचाया जाए। यह निवेश मुख्य रूप से उन उत्पादों पर आधारित होगा, जो अब तक संस्थागत निवेशकों और उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों के लिए ही सीमित थे। म्यूचुअल फंड इकाई का संचालन अल्फाग्रेप इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड करेगी। यह इकाई फरवरी 2026 तक अपने विशेष वैकल्पिक निवेश कोष और खंड प्रबंधन सेवाओं के प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक परिसंपत्तियों का प्रबंधन कर रही है। कंपनी का संचालन गिफ्ट सिटी में भी होता है। नए म्यूचुअल फंड कारोबार का फोकस परिमाणात्मक इक्विटी और मिश्रित निवेश रणनीतियों पर होगा। इसमें उन्नत गणितीय मॉडल, कृत्रिम मेधा (AI) और मशीन लर्निंग का उपयोग किया जाएगा। इसका उद्देश्य है निवेशकों को अधिक संगठित और रणनीतिक निवेश विकल्प प्रदान करना।

जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ का आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली । कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 मार्च को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि आईपीओ के लिए 304-320 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा और 18 मार्च को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 13 मार्च को बोली लगा पाएंगे। अहमदाबाद स्थित इस कंपनी का आईपीओ 240 करोड़ रुपये के नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से हासिल 170 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान के लिए किया जाएगा। एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखा जाएगा।कंपनी का शेयर 24 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। जीएसपी क्रॉप साइंस एक अनुसंधान-केंद्रित कृषि रसायन कंपनी है। इसे भारत में कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशी और पादप वृद्धि नियामकों के विकास एवं निर्माण में 39 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

लखनऊ में एलपीजी संकट, चूल्हे बुझे, लकड़ी-कोयले की मांग बढ़ी

- शादियों और दावतों का बिगड़ा बजट, बड़े रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू को आधा किया

लखनऊ । नवाबों के शहर लखनऊ में एलपीजी (गैस) सिलेंडर की किल्लत ने आम जनता की परेशानियां बढ़ा दी हैं। शहर में गैस न मिलने के कारण घरों के चूल्हे बुझ गए हैं और लोग अब लकड़ी व कोयले पर खाना बनाने को मजबूर हैं। स्ट्रीट फूड वेंडर्स, ढाबा मालिक और टिफिन सेवाएं भी गैस की कमी से प्रभावित हैं। बाजार में लकड़ी और कोयले की मांग में 50-60 फीसदी की वृद्धि हुई है। पिछले दो दिनों में लगभग 450 नई मिट्टी की भट्टियों की मांग दर्ज की गई है। शहर के बड़े रेस्टोरेंट्स ने अपने मेन्यू को आधा कर दिया है, केवल चुनिंदा व्यंजन ही बन पा रहे हैं। शादी-शादी में रोजाना 1200-1500 कार्यक्रमों के लिए कैटरर्स को लकड़ी की आग पर खाना पकाना पड़ रहा है। इससे न केवल समय बढ़ा है बल्कि लागत भी अधिक हुई है। हलवाई अब पारंपरिक चूल्हों का सहारा ले रहे हैं, जिससे ग्राहकों के लिए भोजन तैयार करने की प्रक्रिया धीमी हो गई है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र और पीजी में रहने वाले लोग भी प्रभावित हैं। इंडक्शन चूल्हों पर बड़े पैमाने पर खाना बनाने से भारी बिजली बिल का डर बना हुआ है। टिफिन संचालक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि गैस की आपूर्ति नहीं हुई, तो उन्हें सेवाएं बंद करनी पड़ सकती हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं। जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ाई है और कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं। ईंधन की कमी के कारण नगर निगम के वाहनों की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होने लगी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , निवेशकों के 10 लाख करोड़ रुपये डूबे

सेंसेक्स 829 , निफ्टी 228 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कामजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 829 अंक टूटकर 76,034 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228 अंक फिसलकर 23,639 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण ब्रेंट क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचने के कारण भी आया है। इससे भी निवेशकों में घबराहट का माहौल है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर पिछले सत्र के लगभग 450 लाख करोड़ रुपये से घटकर 440 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इससे निवेशकों के एक ही सत्र में 10 लाख करोड़ रुपये डूब गये।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी की कंपनियों में से सबसे ज्यादा बढ़त कोल इंडिया के शेयरों में रही। इसमें 5.23 फीसदी की बढ़त रही जबकि एनटीपीसी में 2.81 फीसदी की बढ़त जबकि पावर ग्रिड में 1.61 फीसदी की बढ़त आई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.47 फीसदी जबकि अडानी एंटरप्राइजेज में 1.39 फीसदी की बढ़त आई।

वहीं निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज्यादा गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही। इसमें 4.33 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा क्वालिटी वॉल्स में 3.95 फीसदी जबकि आयशर मोटर्स में 3.92 फीसदी की गिरावट रही। मारुति सुजुकी में 3.61 फीसदी और बजाज फाइनेंस में 3.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, ऑटो इंडेक्स 3 फीसदी से अधिक, एफएमसीजी में 1.7 फीसदी और प्राइवेट बैंक में 1.6 फीसदी गिरावट रही जबकि पावर और एनर्जी सेक्टर में 2.5फीसदी और 2फीसदी की बढ़त रही। ऑयल 3 गैस, मेटल और कैपिटल गुड्स में मामूली 0.5फीसदी की तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.4फीसदी गिरा और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.7फीसदी नीचे आया। वहीं आज सुबह भारतीय शेयर बाजार

गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स सुबह 76,369 अंकों के स्तर पर खुला पर खुलते ही इसमें गिरावट बढ़ने लगी। इसी तरह निफ्टी 50 भी 23,674.85 अंकों पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह तेजी से नीचे फिसलकर 23,600 अंकों के स्तर से भी नीचे 274.35 अंक की गिरावट के साथ 23,592.50 अंकों पर कारोबार करता हुआ देखा गया। आज बाजार में गिरावट का मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एशियाई कारोबार के दौरान लगभग 8 फीसदी बढ़कर 100.18 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। तेल की कीमतों में तेजी से महंगाई बढ़ने और कंपनियों की लागत में वृद्धि की आशंका बढ़ जाती है, जिससे निवेशकों में सतर्कता देखी जाती है।

जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ का आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा

नई दिल्ली । कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 16 मार्च को खुलेगा। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि आईपीओ के लिए 304-320 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। आईपीओ 16 मार्च को खुलेगा और 18 मार्च को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 13 मार्च को बोली लगा पाएंगे। अहमदाबाद स्थित इस कंपनी का आईपीओ 240 करोड़ रुपये के नए शेयर और 160 करोड़ रुपये के 50 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। नए निर्गम से हासिल 170 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान के लिए किया जाएगा। एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखा जाएगा।कंपनी का शेयर 24 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकता है। जीएसपी क्रॉप साइंस एक अनुसंधान-केंद्रित कृषि रसायन कंपनी है। इसे भारत में कीटनाशकों, शाकनाशियों, कवकनाशी और पादप वृद्धि नियामकों के विकास एवं निर्माण में 39 वर्ष से अधिक का अनुभव है।

ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के पार, ईरानी हमलों से हुआ महंगा

बैंकॉक । अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत बृहस्पतिवार तड़के 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई। कुछ दिन पहले यह लगभग 120 डॉलर तक पहुंच चुकी थी, जिससे वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास वाणिज्यिक पोतों पर ईरानी हमलों के कारण आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इसके चलते ब्रेंट क्रूड की कीमत में नौ प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। अमेरिका के मानक कच्चे तेल का दाम भी लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति में व्यवधान का असर सीधे तेल की कीमतों पर पड़ रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों से वैश्विक ऊर्जा बाजार और उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे ईंधन महंगा होने की संभावना है।

अमेरिका ने शुरू की भारत, चीन सहित कई व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जांच

- विशेष रूप से जांच अतिरिक्त उत्पादन और संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका ने भारत, चीन, जापान, यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301(बी) के तहत जांच शुरू की है। इस कदम का उद्देश्य उन विदेशी नीतियों और प्रथाओं का पता लगाना है, जो अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर नकारात्मक असर डाल रही हैं। विशेष रूप से यह जांच अतिरिक्त उत्पादन और संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। जांच के दायरे में शामिल हैं- बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम। यूएसटीआर जैमीसन ग्रीर ने कहा कि यह कदम अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को विदेशी अतिरिक्त उत्पादन से बचाने और घरेलू रोजगार बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा है। ग्रीर ने बताया कि कई देशों में उत्पादन घरेलू खपत से अधिक है, जिससे अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और निवेश बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब अपने औद्योगिक आधार को उन देशों के लिए बलिदान नहीं करेगा जो अतिरिक्त उत्पादन यहां निर्यात कर रहे हैं। यह पहल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को

अमेरिका में फिर से स्थापित करना और उच्च वेतन वाली नौकरियों का सृजन करना है। जांच शुरू करने से पहले अंतर-विभागीय धारा 301 समिति और सलाहकार समितियों से परामर्श लिया गया। अब अमेरिका को उन देशों के साथ परामर्श करना होगा जिनकी नीतियां जांच के दायरे में हैं। टिप्पणियां जमा करने की प्रक्रिया 17 मार्च 2026 से शुरू होगी और सुनवाई 5 मई से शुरू होगी।

अमेरिका करेगा पेट्रोल की कीमत कम करने के लिए तेल भंडार का इस्तेमाल- ट्रंप

पेरिस । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके प्रशासन के दौरान ईरान युद्ध के कारण बढ़ी पेट्रोल की कीमतों को कम करने के लिए अमेरिका के स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने डब्ल्यूके आरसी लोकल-12 चैनल को साक्षात्कार में बताया कि ÷हम इसे थोड़ा कम करेंगे और फिर कीमतें नीचे आएंगी। बाद में इसे फिर से भर देंगे। ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि भंडार से कितने बैरल तेल जारी होंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने पहले कई बार जो बाइडन के प्रशासन की आलोचना की थी, जो पेट्रोल की कीमतें कम करने के लिए इस भंडार का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व अमेरिका का आपातकालीन तेल भंडार है। इसे भू-राजनीतिक संकट, युद्ध या आपूर्ति रुकने की स्थिति में इस्तेमाल के लिए भूमिगत गुफाओं में संग्रहित किया जाता है।

टी20 विश्व कप के बाद गौतम गंभीर ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में टेका माथा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब गए और माथा टेका। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड पर 96 रन की शानदार जीत के बाद भारत ने रिकॉर्ड तीसरा पुरुष टी20 वर्ल्ड कप टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया और टाइटल बचाने और इसे अपने देश में जीतने वाली पहली टीम बन गई।

उनका यह दौरा पूर्व भारतीय क्रिकेटर और TMC MP कीर्ति आजाद की आलोचनाओं के बीच हुआ है जिन्होंने रविवार को अहमदाबाद में टीम की जीत के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी को मंदिर ले जाने के लिए गंभीर समेत भारतीय लीडरशिप की आलोचना की थी। आजाद के कमेंट्स पर रिएक्ट करते हुए गंभीर ने कहा, 'लगता है कि इस सवाल का जवाब देना भी सही नहीं है। यह पूरे देश के लिए एक बड़ा पल है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि हम वर्ल्ड कप जीत का जश्न मनाएं और इसीलिए मैं कुछ बातें कहता हूं; कुछ बातों को उठाने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ये बातें सिर्फ आपकी कामयाबी को कमजोर करेंगी। अगर आप उन 15 खिलाड़ियों की कामयाबी और उनकी कोशिशों को कमजोर करना चाहते हैं जो लड़कों के साथ सही नहीं है। अगर आप ऐसा बयान देते हैं, तो आप सचमुच अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को नीचा दिखा रहे हैं, जो नहीं किया जाना चाहिए।'

कीर्ति ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोई खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति का नहीं होता। कीर्ति आजाद ने कहा था, 'जब टीम इंडिया जीती जिसमें सभी धर्मों के लोग शामिल थे, तो 140 करोड़ लोग उत्साहित थे। एक खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति से नहीं बल्कि सिर्फ खेल से जुड़ा होता है। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं कहता हूं कि टीम इंडिया ने भारत को जिताया। टीम इंडिया जीती, और यह भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।'

भारत के हेड कोच के तौर पर गंभीर के पास अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025, एशिया कप 2025, और ट्20 वर्ल्ड कप 2026 के टाइटल हैं, साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मेंटर के तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का टाइटल भी है। अपने खेलने

के दिनों में टी20 वर्ल्ड कप, 50 ओवर का वर्ल्ड कप, एशिया कप और IPL जीतने के बाद दिल्ली में जन्मे इस खिलाड़ी ने अपने लिए कामयाबियों की एक लंबी लिस्ट बनाई है।

सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे।

अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, 'मैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमे सुरक्षित रवाना : आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को कहा कि पुरुष टी-20 विश्वकप अभियान समाप्त होने के बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें और उनके सहयोगी सदस्य सुरक्षित स्वदेश रवाना हो गई हैं। आईसीसी ने आज जानकारी दी है कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीम के सभी खिलाड़ी और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्य पूरी तरह से अपने घरों के लिए रवाना हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में, दक्षिण अफ्रीका के बाकी 29 सदस्य और वेस्टइंडीज के आखिरी 16 सदस्य अपने-अपने देशों के लिए उड़ान से रवाना हो गये हैं, जिससे एक मुश्किल अभियान खत्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण हमने ऑपरेशनल दिक्कतों से निपटने के लिए सरकारों, एयरलाइंस, चार्टर प्रोवाइडर्स, एयरपोर्ट 'अथॉरिटीज और हमारे मेंबर बोर्ड्स के साथ लगातार काम किया है।

बाकी सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए आगे की सुरक्षित यात्रा पक्की करना हमारा एकमात्र मकसद था और हालात बदलने के साथ-साथ इसमें लगातार बदलाव करने की जरूरत पड़ी। आईसीसी ने कहा कि हम क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, क्रिकेट वेस्टइंडीज और उनकी पूरी टीम को इस पूरे प्रोसेस में उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हैं। इसके अलावा आईसीसी स्टाफ को भी धन्यवाद देते हैं जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की कि सभी खिलाड़ी, स्टाफ और उनके परिवार सुरक्षित घर पहुंच सकें।

टी20 वर्ल्ड कप : 'बैट उठाया, पानी पिलाया..', मोहम्मद सिराज के बयान ने जीता दिल, टीम स्पिरिट की दी मिसाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरा देश जश्न में डूबा हुआ है। इस ऐतिहासिक जीत के बीच टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने मजाकिया अंदाज और शानदार टीम भावना से फैंस का दिल जीत लिया। प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा न होने के बावजूद सिराज ने टीम की सफलता को सबसे ऊपर रखा और अपने बयान से बता दिया कि असली टीम मैन किसे कहते हैं।

मोहम्मद सिराज का मजाकिया जवाब हुआ वायरल

टीम इंडिया की जीत के बाद ब्रॉडकास्टर से बातचीत के दौरान सिराज से पूछा गया कि प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना निराशाजनक होता है, ऐसे में टीम की जीत में उनकी क्या भूमिका रही?

इस पर सिराज ने हंसते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम दोनों का बहुत बड़ा रोल था... बाहर बैठकर बैक टू बैक पानी पिलाना और बैट उठाना।' सिराज की यह बात सुनकर उनके साथ खड़े कुलदीप यादव भी जोर-जोर से हंसने लगे। सिराज का यह सेल्फ-रोस्ट वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी सादगी और टीम भावना की खूब तारीफ कर रहे हैं।

सिराज बोले- व्यक्ति नहीं, टीम सबसे बड़ी

मजाक के बाद सिराज ने टीम स्पिरिट पर बेहद अहम बात भी कही। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैदान पर खेलना चाहता है, लेकिन अगर टीम कॉम्बिनेशन के कारण बाहर बैठना पड़े तो उसे भी सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए।

सिराज ने कहा, 'नेट में गेंदबाजी करना और ड्रेसिंग रूम का माहौल पॉजिटिव रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। कोई खिलाड़ी बड़ा नहीं होता, टीम सबसे बड़ी होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ल्ड कप जीत को वह भगवान की स्क्रिप्ट मानते हैं, क्योंकि शुरुआत में उन्हें टीम में मौका नहीं मिला था और बाद में अचानक कॉल आया।

वर्ल्ड कप में सिराज और कुलदीप का प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मोहम्मद सिराज को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। USA के खिलाफ खेले गए उस मुकाबले में सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट झटके थे। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेला, जो चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ था। उस मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट हासिल किया था।

भले ही ये दोनों खिलाड़ी नियमित रूप से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन टीम के लिए उनकी मौजूदगी और सपोर्ट ने ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई।

'द हंड्रेड' में भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं

लंदन । इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' महिला क्रिकेट लीग के लिए हुई नीलामी में स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा सहित कई भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं। वही किसी भी फेंचाइजी ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगायी । इस लीग में नीलामी के लिए पाक की बाएं हाथ की बल्लेबाज मुनीबा अली, तेज गेंदबाज डायना बेग, लेफ्ट-आर्म स्पिनर सादिया इकबाल और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने अपना नाम दर्ज कराया था। इन चारों ही पाक क्रिकेटरों ने 15000 पाउंड के आधारमूल्य के साथ ही अपना नाम नीलामी में दर्ज कराया था। इस चारों में से केवल फातिमा सना और सादिया ही फाइनल नीलामी तक पहुंची थीं। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि आईपीएल मालिकों वाली 'द हंड्रेड' टीमें शायद ही पाक खिलाड़ियों को शामिल करेंगी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा था कि किसी भी देश के खिलाड़ियों से भेदभाव नहीं किया जाएगा। साथ ही कहा था कि चयन केवल प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरत को देखकर किया जाएगा।

हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा, वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे। इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे। इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी। हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है। उसके बाद महिका उनकी जिंदगी में आयीं।

विश्व कप में जगह बनाने के बाद भारतीय महिला टीम की नजरें एफआईएच क्वालीफायर जीतने पर

हैदराबाद (एजेंसी)। विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिये शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है।

आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है।'

उन्होंने कहा, 'हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।' मारिन ने कहा, 'इटली काफी प्रतिस्पर्धी टीम है और मजबूत टीमों को चुनौती देने में सक्षम है। हमारा फोकस रणनीति पर अमल पर रहेगा और इसी ऊर्जा तथा आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहेंगे।' एफआईएच महिला और पुरुष विश्व कप नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

जैक ड्रेपर ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचें

इंडियन वेल्स (अमेरिका) (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए है जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नही उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, 'मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन 38 वर्षीय जोकोविच ने 2008, 2011, 2014, 2015 और 2016 में इंडियन वेल्स में खिताब जीता था। जोकोविच इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन फाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हार गए थे।

आईपीएल में शामिल होने विदेशी खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं रहेगा भारत पहुंचना

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम तो घोषित कर दिया है पर उसके लिए टूर्नामेंट का आयोजन काफी कठिन हो सकता है। इसका कारण ये है कि मध्यपूर्व में जारी युद्ध के कारण कई देशों के खिलाड़ियों के लिए आईपीएल टीमों से जुड़ना कठिन हो जाएगा। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले का असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे दोहा और दुबई एयरपोर्ट से कई उड़ानें बाधित हुई हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाडी टी20 विश्व कप के बाद भी भारत में फंसे रहे थे। ऐसे में अब आईपीएल की सभी टीमों में शामिल इन देशों के खिलाड़ियों के लिए भारत आना आसान नहीं होगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने भी माना है कि उन्हें समय पर वापस भारत लाना मुश्किल काम होगा। साथ ही कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से हवाई किराए काफी बढ़ गए हैं। पहला मैच जहां आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद। वहीं दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में होगा. बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बेंगलुरु में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच खेलेगी। पंजाब किंग्स की टीम न्यू चंडीगढ़ में चार और धर्मशाला में तीन घरेलू मैच खेलेगी जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में तीन और जयपुर में चार घरेलू मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने कहा, इस दौरान (पहले 16 दिन) टूर्नामेंट में चार ही डबल-हेडर होंगे।

युवराज सिंह को टीम से बाहर करने में एमएस धोनी का हाथ था? पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बता दिया सच

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता संदीप पाटिल ने एक लंबे समय से चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी का युवराज सिंह को भारतीय टीम से बाहर करने के फैसले में कभी कोई हाथ नहीं था। पाटिल ने बताया कि अपने चयनकर्ता कार्यकाल के दौरान उन्होंने कभी भी धोनी को युवराज को ड्रॉप करने की मांग करते नहीं सुना। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब युवराज के पिता लगातार धोनी पर आरोप लगाते रहे हैं।

चयन बैठकों में कभी नहीं उठी ऐसी मांग

संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में कहा कि चयन समिति की बैठकों, विदेशी दौरों या मैचों के दौरान कभी भी धोनी ने युवराज सिंह को टीम से बाहर करने की बात नहीं कही। उन्होंने कहा कि वह इस बात को पूरी जिम्मेदारी के साथ रिकॉर्ड पर कह सकते हैं कि धोनी ने ऐसा कोई सुझाव या दबाव नहीं बनाया। पाटिल के अनुसार, धोनी का चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का स्वभाव भी नहीं था और वह चयन समिति के फैसलों का सम्मान करते थे।

धोनी को था चयन समिति पर पूरा भरोसा

पाटिल ने आगे कहा कि धोनी हमेशा चयनकर्ताओं के निर्णयों का सम्मान करते थे। उन्होंने बताया कि टीम के कप्तान के तौर पर धोनी को चयन समिति की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा था और वह आमतौर पर टीम चयन के मामलों में ज्यादा दखल नहीं देते थे। इस बयान से यह साफ संकेत मिलता है कि युवराज सिंह को टीम से बाहर करने का फैसला चयनकर्ताओं की रणनीति और उस समय के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया होगा।

योगराज सिंह लगातार लगाते रहे हैं आरोप

दूसरी ओर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह कई बार सार्वजनिक रूप से धोनी को अपने बेटे के करियर में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। योगराज ने कई इंटरव्यू में यह कहा कि धोनी के कारण ही युवराज को टीम से बाहर किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस मामले में धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे।

एक इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा था कि धोनी ने उनके बेटे के साथ गलत किया और इससे युवराज का करियर प्रभावित हुआ। उन्होंने यहां तक कहा कि युवराज सिंह जैसा खिलाड़ी फिर से देखने को शायद ही मिले और वह चार-पांच साल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते थे। उनके इस बयान ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा की थी।

पाटिल ने कहा - पिता का भावुक होना स्वाभाविक

संदीप पाटिल ने योगराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक पिता का अपने

बेटे के लिए भावुक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में आरोप गलत व्यक्ति पर लगाए जा रहे हैं। पाटिल के अनुसार, चयन प्रक्रिया कई पहलुओं को ध्यान में रखकर होती है और किसी एक व्यक्ति को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है।

भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान : कैफ

मुम्बई । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है। कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है। उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते है उसमें सभी योग्याताएं हैं। मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है। कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नही किया होता है। कप्तानी के लिए कैफ ने आईपीएल के अनुभव को अहम बताया है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने से पहले खिलाड़ी को आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपने को एक लीडर के रूप में साबित करना चाहिए। सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से ऐसा किया है। उन्होंने कहा, कप्तान उसी को बनना चाहिए जिसने ट्रॉफी जिताई हो जिसने कप्तानी पहले करी हो जिसने आईपीएल में 100 150 मैच खेले हो। कैफ ने कहा कि संजू राजस्थान रॉयल्स को कप्तानी करते हुए फाइनल तक ले गये। । इस लंबे अनुभव की वजह से उन्हें मैदान पर गेंदबाजी बदलाव करने और दबाव के क्षणों में किसी प्रकार सही फैसले लेते हैं ये पता है। कैफ ने सैमसन की तुलना वर्तमान और पूर्व कप्तानों से करते हुए परिपक्वता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा भी 30-32 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे, जब वे आईपीएल में पांच ट्रॉफियां जीतकर एक परिपक्व कप्तान बन गये थे।

डायबिटीज में खतरनाक स्ट्रोक

'स्ट्रोक' मौत के दरवाजे पर दस्तक के समान है। अक्सर सुना जाता है कि अमुक व्यक्ति के पिता या बड़े भाई को 'स्ट्रोक' आया और तब से वे बिस्तर पर पड़े रहते हैं। ऐसे मरीजों को डायबिटीज व ब्लडप्रेशर पहले से जरूर था लेकिन जब से उन्हें स्ट्रोक आया, तब से उनका टहलना बिल्कुल बंद है। 'स्ट्रोक' के बाद चलते समय उन्हें सहारे की जरूरत आ गयी। ऐसे लोग भावुक भी हो जाते हैं। वे अपना दुखड़ा सुनाते समय रोने लगते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें 'स्ट्रोक' के बाद गुस्सा आने लगता है। याददाश्त भी कमजोर होने की शिकायतें सामने आती हैं।

दरअसल, 'स्ट्रोक' अचानक आयी बेहोशी या फालिज या दोनों के एक साथ अटैक से आता है। बेहोशी तो ठीक हो गयी पर फालिज का हाथ या पैर पर असर बना रहा। पहले इस किस्म के स्ट्रोक के मामले ज्यादातर बूढ़े लोगों के साथ होते थे लेकिन अब डायबिटीज के बढ़ते प्रकोप से कम उम्र में भी लोगों को स्ट्रोक हो रहे हैं। आमतौर पर 50 की उम्र से ही डायबिटिक मरीज स्ट्रोक का शिकार होता है। निष्कर्ष निकला है कि 'स्ट्रोक' दुनिया भर में मौत का सबसे आम सौदागर है। मौतों में 'स्ट्रोक' तीसरा अहम कारण बन रहा है। डियबिटीज और दिल के मरीजों की मौत दूसरे नंबर पर है। महिलाओं के मुकाबले पुरूषों में डेढ़ गुना ज्यादा खतरा 'स्ट्रोक' का है। जानकार ताज्जुब होगा कि डियबिटीज में होने वाले पहले 'स्ट्रोक' के अटैक के दौरान सौ में से चालीस लोगों की मौत हो जाती है। बाकी साठ लोगों में दूसरी बार 'स्ट्रोक' का कहर टूटने पर ऐसे 35 फीसद मौतें होती है लेकिन तीसरी बार 'स्ट्रोक' होने पर 100 में से 35 लोग अपनी जान गंवाते हैं। दरअसल मेडिकल का शब्द है—टीआईए (ट्रांसिएंट इस्चीमिक अटैक)। इसके तहत क्षणिक बेहोशी या कमजोरी आ जाती है पर यह 24 घंटे से ज्यादा नहीं रूकती। ऐसे में वैस्कुलर सर्जन से तुरंत संपर्क करना चाहिए।

ब्लडप्रेशर के मरीजों को भी 'स्ट्रोक' आ जाते हैं, साथ दिल की बीमारियों से पीड़ित रोगी भी 'स्ट्रोक' के घेरे में आते हैं। देखा गया है कि जिन लोगों को 'स्ट्रोक' आया, उनकी गर्दन में मौजूद धमनियों की दीवारों में चर्बी व कैल्शियम का जमाव हो गया था। इसे डॉक्टर 'एथिरोस्क्लेरोसिस' की प्रक्रिया कहते हैं। इसमें एक तरफ दिमाग को जाने वाले साफ खून की मात्रा में कमी आ जाती है और दूसरी तरफ चर्बी के टुकड़े दिमाग के अंदर मौजूद खून की नलियों में पहुंचकर उसे जाम कर देते हैं। अक्सर ये टुकड़े और खून के कण यानी प्लेटलेट ऊपर खिसक कर मस्तिष्क की नलियों को बंद कर देते हैं। इससे बार-बार अटैक होता रहता है। गर्दन की नलियों में सबसे ज्यादा 'कैराटिड' नली ही है, जो दिमाग में खून ले जाती है, इसलिए जरूरी है कि इस नली को सेहतमंद और चर्बी से दूर रखा जाए। ऐसा करने की सूरत में 80 प्रतिशत मरीजों में अटैक को रोका जा सकता है। गर्दन की दूसरी नली है 'वरटेब्रल आरट्री'। यह स्ट्रोक के पंद्रह प्रतिशत मरीजों में अटैक के लिए जिम्मेदार होता है। डायबिटीज के मरीजों में कैरोटिड नली में चर्बी जमा होने की प्रक्रिया जारी रहने की वजह से शुद्ध खून के बहाव में गतिरोध पैदा हो जाता है, कभी-कभी खून की नलियों में सूजन की बीमारी भी, खून के प्रवाह को रोक देती है। जैसे 'टाकायासू' नामक खून की नली का रोग, जो गर्दन की नली के साथ-साथ, शरीर की और भी खून की नलियों को प्रभावित करता है। सड़क दुर्घटनाओं में गर्दन पर चोट कैरोटिड नली की दीवार क्षतिग्रस्त होने पर यह खून के कतरे जमा हो जाते हैं, जिससे कैरोटिड नली के ऊपर दिमाग की आर जाने वाली खून की सप्लाई बंद हो जाती है।

क्या कैसे ?

डायबिटीज के मरीजों को कभी भी हल्का चक्कर आने या कमजोर की शिकायत होने पर तुरंत किसी वैस्क्युलर या कर्डियो वैस्कुलर सर्जन से मिलना चाहिए। सबसे पहले गर्दन की कैरोटिड नली की जांच करवाएं और खून के प्रवाह को सही कराने की कोशिश करें, वरना स्ट्रोक या अटैक से बचना मुश्किल होगा। अगर स्ट्रोक का हमला हो चुका है और आपके न्यूरोलॉजिस्ट इलाज कर रहे हैं, तो भी डॉक्टर को बताकर किसी वैस्कुलर सर्जन को दिला लें, जिससे दोबारा स्ट्रोक होने की संभावना कम रहे।

हेल्थ प्लस

अच्छी नींद से बेहतर होगी याददाश्त

एक नए शोध में यह बात सामने आई है कि याददाश्त को बेहतर करने के लिए अच्छी नींद आवश्यक है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि अच्छी नींद का असर दिमाग की कार्यशैली पर पड़ता है और अगर रात में अच्छी नींद हो तो सुबह दिमाग की कार्यशैली में जबर्दस्त फर्क पड़ता है। अच्छी नींद से दिमाग की कोशिकाओं के बीच समन्वय बेहतर होता है जो याददाश्त और सीखने के लिए जरूरी है। यूनिवर्सिटी ऑफ जिनेवा का यह शोध फेडरेशन ऑफ यूरोपियन न्यूरोसाइंस सोसाइटी कांफ्रेंस में पेश किया गया है। शोधकर्ताओं ने 32 लोगों पर शोध किया जिसमें उन्हें कुछ चित्र दिखाए या कोई नई चीज सिखाई गई जो उन्हें याद रखनी थी। इनमें एक बिंदु को जॉयस्टिक की मदद से कंप्यूटर पर घुमाना भी शामिल था। दो समूहों के इस शोध में एक समूह आठ घंटे सोने दिया गया, जबकि दूसरे समूह को या तो सोने नहीं दिया गया या फिर थोड़ी देर ही सोने दिया गया। जब अगले दिन दोनों समूहों से चित्रों को याद करने या फिर पिछले दिन सीखी गई चीजों को करने के लिए कहा गया तो पाया गया कि जो आराम से सोए थे, उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया। शोधकर्ता टीम के प्रमुख डा. सोफी स्वार्टज का कहना था, परिणामों के अनुसार एक नए अनुभव के बाद अच्छी नींद उस अनुभव को याद रखने में मदद करती है और सीखने में मदद करती है।

व्यस्त रहते हैं तो लें स्मार्ट डाईट

व्यस्त लोगों को स्वस्थ खानपान के लिए बस थोड़ी सी योजना बनाने की आवश्यकता होती है इसलिए यहां स्वस्थ लिविंग व स्वस्थ शरीर हासिल करने के लिए कुछ शार्टकट्स दिये जा रहे हैं...

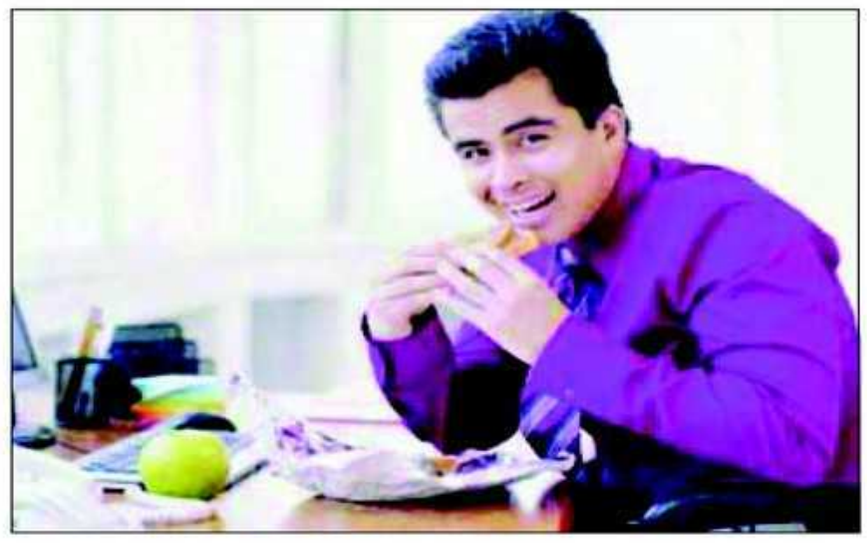

आज के युग में जब आलस भरी जीवनशैली नियम बन गयी है, तो देखने में यह अच्छा है कि लोगों की सेहत दिन पर दिन गिरती जा रही गै। लोग अपने आपको और अपने जिस्म को फार ग्रानटिड लेते जा रहे हैं। उन्हें यह भी याद नहीं रहता कि ढंग से खाना उन्होंने कब खाया था।

नाश्ता बहुत जरूरी है

अपनी सुबह की शुरूआत नाश्ते से करें। चाहे वह कोई फल हो या होल व्हीटब्रेड। ओट मील को गर्म पानी के थर्मस में डाल लें और आप पूरी रात इसे ऐसे ही रख भी सकते हैं। सुबह आपको गर्म पका हुआ ओटमील खाने के लिए तैयार मिलेगा। इसी तरह उबला हुआ अण्डा भी खाया जा सकता है। इस तरह आपका जिस्म भूख के मोड़ में नहीं जायेगा। रोजाना नाश्ता करने से आपकी पाचन दर भी बढ़ जायेगी।

दिन में पांच बार खाना खायें

दिन में कम से कम पांच बार खाना खायें। इनमें से तीन मुख्य मील्स हो सकते हैं-ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर। जबकि बाकी दो मील्स ऐसे हों जिनमें पौष्टिक स्नैक्स लिए जा सकें। कई बार खाने से भूख नहीं लगती, नियमित ऊर्जा मिलती रहती है और पाचन क्षमता भी बरकरार रहती है। स्वस्थ फूड्स खायें जैसे फल जिनमें अधिक फाइबर होता है- सेब, तरबूज, खरबूजा, संतरा, स्वीटलाइम, पपीता और पीच।

डिनर की योजना बनायें

कुछ लोगों के काम की मांग होती है कि उन्हें अक्सर डिनर के लिए रेस्त्रों में जाना पड़ता है। हमेशा छुपे हुए फैट्स पर ध्यान दें। क्रीमी सूप, व्हाइट ब्रेड, फलेती पेस्ट्री और मायोनेज आधारित सलाद ड्रैसिंग फूड में अनावश्यक फैट्स बढ़ा देते हैं। क्रीमी सूप की जगह ब्रोथ्स लें। मायोनेज ड्रैसिंग की जगह नींबू, सिरका, हर्ब्स, प्याज, लहसुन आदि का इस्तेमाल करें ताकि सलाद का स्वाद व पाचन क्षमता बढ़ जाये। ध्यान रहे कि एक ग्राम फैट में दो गुनी कैलोरियां होती हैं, एक ग्राम प्रोटीन या कार्बोहाइड्रेट की तुलना में। फ्राइड फूड्स की जगह ग्रिल्ड, बेक्ड, उबला हुआ या ब्रोइल्ड फूड खायें।

यात्रा के दौरान हाईड्रेट रहें

आपका काम ऐसा हो सकता है जिसमें यात्रा बहुत करनी पड़ती हो। हवाई यात्रा सबसे ज्यादा डी-हाइड्रेटिंग अनुभव होता है। यही वजह है कि लोग अक्सर खराब गले और अन्य सांस की बीमारियों की शिकायत करते हैं। इनसे बचने के लिए हवाई यात्रा के पहले या बाद में कैफीन, कोला या एल्कोहल न लें क्योंकि यह डाइयूरेटिक्स होते हैं और पानी की कमी को बढ़ा देते हैं। नमकीन स्नैक्स से बचें जैसे साल्टिड पीनट्स या फ्राइड फूड्स ताकि डी-हाईड्रेशन को कम किया जा सके। पानी, फ्रूट जूस, नारियल पानी, नींबू पानी आदि के रूप में अधिक लूइड लेने का प्रयास करें। हर व्यक्ति को दिन में 12 से 15 गिलास पानी पीना चाहिए। यात्रा में तनाव बढ़ जाता है इसलिए प्रोटीन की जरूरत भी बढ़ जाती है, जिसकी भरपाई करने के लिए रोज थोड़ी सी अधिक प्रोटीन लें।

दिमाग हेतु जरूरी फलों का जूस

फलों या सब्जियों के जूस का प्रति सप्ताह तीन बार सेवन करने से अल्जाइमर नामक रोग का खतरा कम हो जाता है। ऐसा एक अध्ययन में सामने आया है जूस में मौजूद एंटी ऑक्सीडैंट्स हो सकती है इसके पीछे कारण हों।

यदि आप अपनी कमर के आकार को फैलने से रोकना चाहती हैं तो कम कैलोरी वाले या बिना अतिरिक्त शुगर वाले फलों का चुनाव करें।

ड्रिंकिंग जूस के साथ ही एंटी ऑक्सीडैंट्स की रोजमर्रा की जरूरत पूरी करने के लिए आप पूरा फल खाएं। इससे आपकी डाइट में फाइबर भी शामिल होगा। फलों तथा सब्जियों में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडैंट्स आपके दिमाग को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचा सकते हैं। ये डैमेज हाइड्रोजन परावसाइड तथा कुछ निश्चित प्रोटीन्स की कमी के कारण होते हैं।

ताजा और रस भरे

एक हालिया अध्ययन में शोधकर्त्ताओं ने पाया कि जो लोग सप्ताह में तीन या अधिक बार फलों के जूस का सेवन करते हैं उनमें प्रति सप्ताह एक बार फलों के जूस का सेवन करने वालों के मुकाबले अल्जाइमर रोग विकसित होने का खतरा कम होता है। हालांकि इस बात को प्रमाणित करने के लिए अभी और शोध की आवश्यकता है फिर भी जूस आपके भोजन में फलों को शामिल करने का आसान तरीका है। जूस के साथ ही नियमित कसरत तथा मानसिक उत्तेजना 'डिमैंशिया' यानी स्मृति नाश का मुकाबला करने में काफी सहायता मिलती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। ...

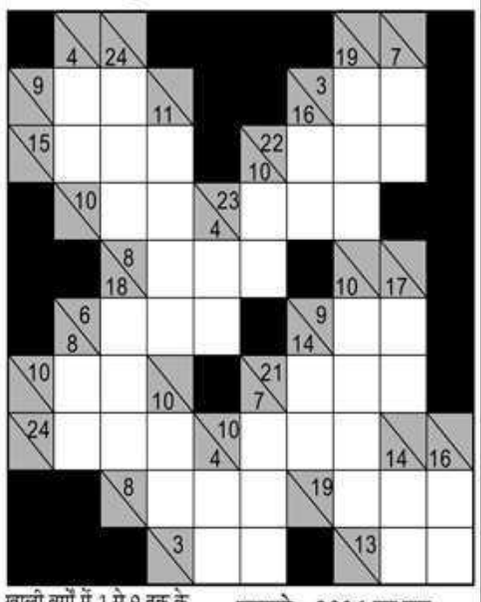

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी

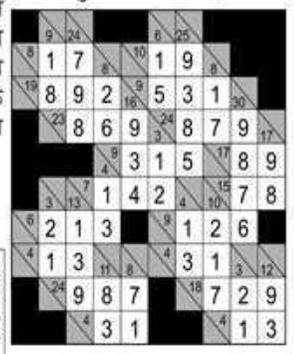

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3822

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3821 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3822

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, खौना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूंगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका ?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है ?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लकी अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3821

सूडोकु -3822

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3821 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 3822

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -3821 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी